आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 133 | उज्जैन, रविवार 06 अप्रैल 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के समाज पर होंगे दूरगामी व्यापक प्रभाव : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री नई दिल्ली में दीनदयाल शोध संस्थान के सेमिनार में हुए शामिल

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विविध प्रकार के सकारात्मक और नकारात्मक सामाजिक प्रभाव हो सकते है। उन्होंने बताया कि शालेय जीवन में जिस प्रकार से विज्ञान के वरदान अथवा अभिशाप होने पर चर्चा की जाती थी, कंप्यूटर और इंटरनेट क्रांति के शुरुआती दौर में भी रोजगार को लेकर इसी प्रकार के प्रश्न उठते थे। वर्तमान युग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के संबंध में भी विभिन्न धारणाएं बन रही हैं, जिनसे इस अत्याधुनिक तकनीक को आशीर्वाद और संकट दोनों ही रूप में देखा जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आशा जताई कि इसके समाज पर दूरगामी सकारात्मक प्रभाव होंगे। उन्होंने दीनदयाल शोध संस्थान को इस गहन विषय पर सेमिनार आयोजित करने के लिए बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को दीनदयाल उपाध्याय शोध संस्थान द्वारा दिल्ली में 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के सामाजिक प्रभाव' विषय पर आयोजित सेमिनार के शुभारंभ सत्र को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि एआई आने से यह धारणा बनी है कि इससे बहुत सी नौकरियां खत्म हो जायेंगी। उन्होंने कहा कि जब कम्प्यूटर आये थे, तो यह ही डर बना था। लेकिन जैसे उस वक्त नौकरियां पैदा हुई वैसे ही आज एआई नई नौकरियां पैदा कर रहा है और मौजूदा नौकरियों को बदल रहा है। खासतौर पर डेटा साइंस, मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में यह तकनीकी व्यवसायों को नये उत्पादों और सेवाओं को विकसित करने और उनकी दक्षता में सुधार करने में मदद कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक शक्तिशाली तकनीक है, जिसके सामाजिक प्रभाव बहुत गहरे हैं। हमें इस पर विचार करना चाहिये कि किस तरह हम इसे वरदान बनाये।

गड़बड़ियों पर चुनाव आयोग को घेर रही ममता बनर्जी की पार्टी, अब सुधारों के भी खिलाफ हुई टीएमसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मतदाता फोटो पहचान पत्र (ईपिक) नंबरों को लेकर चुनाव आयोग को लंबे समय से घेरने में जुटी तृणमूल कांग्रेस अब इन गड़बड़ियों को रोकने के लिए उठाए गए सुधारों के खिलाफ खड़ी हो गई है। इनमें मतदाता पहचान पत्रों को आधार से जोड़ने का मुद्दा भी शामिल है। जिसे लेकर तृणमूल कांग्रेस ने शुक्रवार को न सिर्फ आपत्ति जताई बल्कि इस प्रक्रिया को तुरंत रोकने की मांग की। वहीं आयोग ने तृणमूल कांग्रेस के नेताओं को आश्वस्त किया कि ईपिक की गड़बड़ियां जल्द ठीक हो जाएगी। मतदाता पहचान पत्रों को आधार से जोड़ने में लोक प्रतिनिधित्व कानून और सुप्रीम कोर्ट के फैसले का पालन होगा। आयोग का स्पष्ट मानना है कि आधार से जोड़ने पर मतदाता पत्र में दोहराव कभी संभव ही नहीं होगा और फर्जी मतदाता भी नहीं बन सकेंगे।

इस बीच तृणमूल कांग्रेस के सांसदों ने संसद भवन परिसर से चुनाव आयोग के दफ्तर तक एक मार्च भी निकाला और ईपिक को मतदाता सूची से जुड़ी गड़बड़ियों के पीछे आयोग का हाथ बताया। तृणमूल सांसदों ने इस दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से भी मुलाकात की और उन्हें मांगों को लेकर एक ज्ञापन भी सौंपा।

दस राज्यों में आदिवासी संस्कृति और परंपरा का होगा दस्तावेजीकरण, शुरू हुआ अभियान

नई दिल्ली (एजेंसी)। आदिवासी समुदाय का अपना लोक शासन, लोककला और संस्कृति है, लेकिन विडंबना है कि इस विरासत और परंपरा को जैसे-तैसे आदिवासी जन लोककथाओं और लोकलाओं के सहारे बचाए हुए हैं, क्योंकि अब तक किसी भी सरकार ने इसके दस्तावेजीकरण के लिए सोचा ही नहीं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर 15 नवंबर, 2024 को जब रांची गए तो आव्हान किया कि आदिवासी संस्कृति का दस्तावेजीकरण आवश्यक है। उस पर पहल पंचायतीराज मंत्रालय ने की और झारखंड सरकार के साथ मिलकर हमारी परंपरा, हमारी विरासत अभियान शुरू किया गया। इसकी निगरानी के लिए उच्चस्तरीय समिति गठित कर चुका पंचायतीराज मंत्रालय अब अन्य नौ पेसा अधिसूचित राज्यों में भी आदिवासियों की संस्कृति और परंपराओं का दस्तावेजीकरण कराने जा रहा है।

पंचायतीराज मंत्रालय और झारखंड पंचायतीराज विभाग ने संयुक्त रूप से 26 जनवरी, 2025 को हमारी परंपरा, हमारी विरासत अभियान शुरू किया।

मणिपुर में शांति बहाली की कोशिश में जुटा केंद्र, मैतेई और कुकी समुदाय के साथ की अहम बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। मणिपुर में शांति की दिशा में केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। शनिवार को मणिपुर के मैतेई और कुकी समुदायों के प्रतिनिधियों के साथ केंद्र सरकार ने बैठक की है। बैठक का उद्देश्य दोनों समुदायों के बीच चल रहे संघर्ष का सौहार्दपूर्ण समाधान खोजना है।

बैठक का फोकस मैतेई और कुकी के बीच विश्वास और सहयोग बढ़ाना और मणिपुर में शांति और सामान्य स्थिति को बहाल करने के लिए रोडमैप तैयार करना है। बैठक में सरकार ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने और दोनों समुदायों के बीच सामंजस्य स्थापित करने पर अधिक जोर दिया।

बैठक में कौन-कौन था शामिल- मीटिंग में ऑल मणिपुर यूनाइटेड क्लब्स ऑर्गनाइजेशन (एएमयूसीओ) और फेडरेशन ऑफ सिविल सोसाइटी ऑर्गनाइजेशन (एफओसीएस) के प्रतिनिधियों समेत 6 सदस्यीय मैतेई प्रतिनिधिमंडल ने भाग लिया। कुकी प्रतिनिधिमंडल में 9 लोग शामिल थे। केंद्र सरकार के वार्ताकारों में खुफिया ब्यूरो के सेवानिवृत्त विशेष निदेशक एके मिश्रा भी मौजूद रहे।

शाह ने कही थी जल्द बैठक कराने की बात - गुरुवार को लोकसभा में मणिपुर पर बहस के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि गृह मंत्रालय ने पिछले दिनों मैतेई और कुकी समुदायों के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा की थी। उन्होंने कहा कि दोनों समुदायों के विभिन्न संगठनों के साथ अलग-अलग बैठकें की गईं।

तब उन्होंने कहा था कि गृह मंत्रालय जल्द ही एक संयुक्त बैठक बुलाएगा। अमित शाह ने कहा कि सरकार हिंसा को समाप्त करने का रास्ता तलाशने में जुटी है।

हिंदुओं की रक्षा पर अपनी जिम्मेदारी निभाए बांग्लादेश सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेन्द्र मोदी और बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया प्रो. मोहम्मद यूनुस के बीच पहली द्विपक्षीय बैठक शुक्रवार को बैंकाक में हुई। उम्मीद के मुताबिक पीएम मोदी ने अगस्त, 2024 में तत्कालीन पीएम शेख हसीना को सत्ता से हटाने के बाद बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों, खास तौर पर हिंदुओं पर हो रहे हमले का मुद्दा खुल कर उठाया। पीएम मोदी ने दो टूक कहा कि अल्पसंख्यकों पर हमले को रोकना बांग्लादेश सरकार की जिम्मेदारी है और उम्मीद जताई कि यूनुस सरकार इस जिम्मेदारी को निभाएगी। पीएम मोदी ने यह सलाह भी दी कि द्विपक्षीय रिश्तों में खटास पैदा करने वाले उत्तेजक भाषणों से बचना चाहिए।

बैठक का आयोजन बांग्लादेश के आग्रह पर किया गया था - यूनुस ने भी भारत में रह रहीं पूर्व पीएम हसीना के प्रत्यर्पण का मुद्दा उठाया। बांग्लादेश ने गंगा नदी जल बंटवारा और तीस्ता नदी जल समझौते पर नए सिरे से बात करने की पेशकश की। पीएम मोदी और यूनुस दोनों थाइलैंड में बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए गए हैं। बैठक का आयोजन बांग्लादेश के आग्रह पर किया गया था।

विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने दोनों नेताओं के बीच हुई बैठक के बारे में बताया कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों, खास तौर पर हिंदुओं की स्थिति पर बात हुई है। पीएम मोदी ने इस मुद्दे को खुलकर रखा और गहरी चिंता जताई।

तेलंगाना में एक और एयरपोर्ट को मंजूरी, राजनाथ सिंह ने जी. किशन रेड्डी को लिखा पत्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने तेलंगाना में एक और हवाई अड्डे पर नागरिक विमान परिचालन की मंजूरी दे दी है। राज्य में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद यह दूसरा हवाई अड्डा है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी को पत्र लिखकर इसकी जानकारी दी। राजनाथ सिंह ने कहा कि आदिलाबाद में भारतीय वायुसेना की एयरफील्ड है और वायुसेना भविष्य में उस स्थान पर एक प्रशिक्षण प्रतिष्ठान स्थापित करने की योजना बना रही है।

पीएम मोदी को श्रीलंका में मिला 'मित्र विभूषण' पुरस्कार, क्यों खास है नौ रत्नों से बना ये अवार्ड?

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और श्रीलंका के बीच गहरे सांस्कृतिक और धार्मिक संबंधों को मजबूत करने के प्रतीक के रूप में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को श्रीलंकाई राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके ने मित्र विभूषण पुरस्कार से सम्मानित किया।

मित्र विभूषण पुरस्कार श्रीलंका का एक सम्मान है, जो मित्र राष्ट्रों के प्रति असाधारण योगदान और मैत्रीपूर्ण संबंधों को बढ़ावा देने के लिए दिया जाता है।

इस सम्मान की शुरुआत फरवरी 2008 में राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे ने की थी।

सम्मान पाने वाले को एक प्रशस्ति पत्र और एक रजत पदक दिया जाता है, जिसे गले में पहना जाता है।

पदक को कमल, ग्लोब, सूर्य, चंद्रमा और चावल के ढेर के प्रतीकों के साथ नौ प्रकार के श्रीलंकाई रत्नों (नवरत्नों) से जड़ा और सजाया जाता है। यह पुरस्कार भारत और श्रीलंका दोनों देशों के बीच दोस्ती और सहयोग के मजबूत रिश्ते को दर्शाता है। इस सम्मान समारोह के दौरान कई महत्वपूर्ण सांस्कृतिक प्रतीकों का उल्लेख किया गया, जो दोनों देशों के बीच प्राचीन संबंधों को चित्रित करते हैं। धर्म चक्र- साझा बौद्ध धरोहर का प्रतीक - धर्म चक्र यह एक महत्वपूर्ण प्रतीक है, जो भारत और श्रीलंका की साझा बौद्ध धरोहर को दर्शाता है। यह चक्र दोनों देशों के सांस्कृतिक परंपराओं को एक साथ जोड़ने का प्रतीक है, जो बौद्ध धर्म की गहरी जड़ों से जुड़ा हुआ है। यह धर्म चक्र शांति, समृद्धि और मानवता के मार्ग पर चलने का संदेश देता है।

'पुन कलसा' (एक धार्मिक कलश) जो चावल की बालियों से सुसज्जित है, समृद्धि और नवीनीकरण का प्रतीक है। यह श्रीलंका और भारत के बीच वैभव और विकास की निरंतरता को दर्शाता है। यह दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक और आर्थिक संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक नई शुरुआत का प्रतीक है।

नवरत्न (नौ कीमती रत्न) यह एक अन्य महत्वपूर्ण प्रतीक है, जो भारत और श्रीलंका के बीच स्थायी मित्रता को दर्शाता है। यह नौ रत्न एक ग्लोब के चारों ओर स्थित हैं, जो दोनों देशों के रिश्ते को वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण और मूल्यवान बताते हैं।

हमें लगता है चीन बहुत नाराज है, टिकटॉक सौदे पर चिनफिंग ने दिया झटका तो गिड़गिड़ाने लगे ट्रंप

नई दिल्ली (एजेंसी)। टैरिफ एलान के बाद चीन ने अमेरिका को एक नया झटका दिया है। चीन ने एलान किया है कि वह टिकटॉक सौदे मंजूरी नहीं देगा। इस सौदे के तहत टिकटॉक का संचालन करने वाली कंपनी बाइटडांस को अपने अमेरिका ऑपरेशन का अधिकांश हिस्सा अमेरिकी कंपनियों को बेचना है। अमेरिकी कानून के मुताबिक सिर्फ 20 फीसदी हिस्सेदारी ही चीनी कंपनी के अधीन होगी। मगर खास बात यह है कि इस सौधे की मंजूरी चीनी सरकार से लेना जरूरी है।

ट्रंप ने समयसीमा बढ़ाई

इस बीच, शुक्रवार यानी 4 अप्रैल को डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका में टिकटॉक की हिस्सेदारी बेचने की समयसीमा 75 दिनों के लिए बढ़ा दी है। सूत्रों के मुताबिक यह सौदा बुधवार यानी 2 अप्रैल तक काफी हद तक तय हो चुका था। मगर उसी दिन ट्रंप के टैरिफ एलान ने सबकुछ बिगाड़ दिया। अब ट्रंप का कहना है कि टिकटॉक सौदा की खातिर चीन पर टैरिफ कम करने को तैयार हूं।

बाइटडांस को बेचनी होगी 80 फीसदी हिस्सेदारी- सूत्रों के मुताबिक टिकटॉक के अमेरिकी ऑपरेशन को अमेरिका की एक नई कंपनी को बेचना होगा। इसका 80 फीसदी स्वामित्व और संचालन अमेरिकी निवेशकों के पास होगा। बाइटडांस के पास 20 फीसदी से कम की हिस्सेदारी होगी। जानकारी के मुताबिक सौदे को मौजूदा निवेशकों, नए निवेशकों, बाइटडांस और अमेरिकी सरकार ने मंजूरी दे दी है। मगर अब गेंद चीनी सरकार के पाले में है।

सौदे पर मतभेद- बाइटडांस ने कहा कि चीनी कानून के अनुसार कोई भी समझौता प्रासंगिक समीक्षा प्रक्रियाओं के अधीन है। सौदे को लेकर अभी मतभेद हैं। वाशिंगटन में चीनी दूतावास ने कहा कि चीन ने कई मौकों पर टिकटॉक पर अपनी स्थिति स्पष्ट की है। चीन ने हमेशा उद्यमों के वैध अधिकारों और हितों का सम्मान किया है और उनकी रक्षा की है। हमने बाजार अर्थव्यवस्था के बुनियादी सिद्धांतों का उल्लंघन करने वाली प्रथाओं का विरोध किया है। हम अब भी अमेरिकी सरकार के साथ बातचीत करने में जुटे हैं। अभी कोई समझौता नहीं हुआ है। दोनों पक्षों के बीच कई प्रमुख मुद्दों पर मतभेद हैं। वीचैट पर बाइटडांस का बयान।

डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा कि इस सौदे पर और अधिक काम करने की जरूरत है। हमें उम्मीद है कि हम चीन के साथ सद्भावनापूर्वक काम करना जारी रखेंगे। मुझे लगता है कि चीन हमारे पारस्परिक टैरिफ से बहुत खुश नहीं है। बता दें कि ट्रंप ने चीन पर पहले 20 फीसदी और इसके बाद 2 अप्रैल को 34 फीसदी टैरिफ का एलान किया। कुल मिलाकर चीन पर अमेरिका अब तक 54 फीसदी टैरिफ लगा चुका है। जवाब में चीन ने भी अमेरिका पर टैरिफ लगाने की घोषणा की।

ट्रंप ने आगे कहा कि हमारा प्रशासन टिकटॉक के संभावित सौदे के बारे में चार अलग-अलग समूहों के संपर्क में है। हम चीन के साथ मिलकर डील को अंतिम रूप देने के लिए उत्सुक हैं। नहीं चाहता हूं कि टिकटॉक अंधकार में चला जाए।

भारत के खिलाफ ऐसा नहीं होने देंगे..., मोदी के सामने श्रीलंकाई राष्ट्रपति का बड़ा एलान; बिना नाम लिए चीन को चेताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस समय श्रीलंका के दौरे पर हैं। उनकी यात्रा 4 से 6 अप्रैल तक है। पीएम मोदी और श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके ने भारत-श्रीलंका के रिश्तों को और मजबूत करने के बारे में चर्चा की। राष्ट्रपति दिसानायके ने भारत की सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता के प्रति श्रीलंका की प्रतिबद्धता को फिर से दोहराया।

भारत की सुरक्षा के लिए श्रीलंका का समर्थन- श्रीलंकाई राष्ट्रपति ने कहा कि श्रीलंका अपनी जमीन का इस्तेमाल भारत की सुरक्षा के खिलाफ या क्षेत्रीय स्थिरता के

विपरीत किसी भी उद्देश्य के लिए नहीं होने देगा। यह बयान प्रधानमंत्री मोदी के साथ औपचारिक बातचीत के बाद कोलंबो में दिया गया। यह भारत और श्रीलंका के बीच गहरे विश्वास और सहयोग को दर्शाता है।

समुद्री मुद्दों पर सहयोग की अपील- राष्ट्रपति दिसानायके ने प्रधानमंत्री मोदी से एक महत्वपूर्ण समुद्री मुद्दे पर सहयोग मांगा। उन्होंने पीएम मोदी से श्रीलंका के संयुक्त राष्ट्र महासागर आयोग में दावे को लेकर तकनीकी चर्चा शीघ्र आयोजित करने का अनुरोध किया। यह मुद्दा श्रीलंका की एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक जोन से परे समुद्री सीमाओं से संबंधित है।

डिजिटल अर्थव्यवस्था में सहयोग- राष्ट्रपति दिसानायके ने डिजिटल अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में सहयोग की संभावना पर भी चर्चा की। उन्होंने बताया कि श्रीलंका को विकास, नवाचार और दक्षता बढ़ाने के लिए डिजिटल अर्थव्यवस्था का महत्व समझ में आया है। उन्होंने भारत सरकार को श्रीलंका के डिजिटल पहचान परियोजना के लिए 300 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता देने के लिए धन्यवाद भी दिया।

अमेरिका के कंसास में सनसनीखेज वारदात, भारतीय मूल के कैथोलिक पादरी की गोली मारकर हत्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के कंसास में भारतीय मूल के कैथोलिक पादरी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। कंसास के आर्चडायोसिस के आर्कबिशप जोसेफ नौमान ने गुरुवार को एक फेसबुक पोस्ट में इसकी जानकारी दी। उन्होंने लिखा कि फादर अरुल कैरासाला की मौत की खबर साझा करते हुए बेहद दुखी हूं। उन्हें आज सुबह गोली मार दी गई। फादर अरुल कैरासाला 2011 से सेनेका में सेंट पीटर और पाल कैथोलिक चर्च में पादरी थे। उन्हें 1994 में भारत में पादरी के रूप में नियुक्त किया गया था।

2011 में अरुल कैरासाला बने थे अमेरिकी नागरिक - आगे लिखा कि फादर अरुल कैरासाला ने 2004 से कंसास में सेवा दी थी। वे 2011 में अमेरिकी नागरिक बन गए। उन्हें चर्च के रेक्टरी में गोली मार दी गई थी। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्होंने दम तोड़ दिया। एक संदिग्ध शूटर हिरासत में लिया गया है।

बूढ़े शख्स ने मारी गोली - पैरिश की धार्मिक शिक्षा निदेशक क्रिस एंडरसन ने कहा कि जहां तक हमें पता है, एक बूढ़ा आदमी उनके पास गया और तीन गोली मारी। नेमाहा काउंटी शेरिफ कार्यालय ने इस मामले पर टिप्पणी से इनकार कर दिया।

हमें लगता है चीन बहुत नाराज है, टिकटॉक सौदे पर चिनफिंग ने दिया झटका तो गिड़गिड़ाने लगे ट्रंप

नई दिल्ली (एजेंसी)। टैरिफ एलान के बाद चीन ने अमेरिका को एक नया झटका दिया है। चीन ने एलान किया है कि वह टिकटॉक सौदे मंजूरी नहीं देगा। इस सौदे के तहत टिकटॉक का संचालन करने वाली कंपनी बाइटडांस को अपने अमेरिका ऑपरेशन का अधिकांश हिस्सा अमेरिकी कंपनियों को बेचना है। अमेरिकी कानून के मुताबिक सिर्फ 20 फीसदी हिस्सेदारी ही चीनी कंपनी के अधीन होगी। मगर खास बात यह है कि इस सौधे की मंजूरी चीनी सरकार से लेना जरूरी है।

ट्रंप ने समयसीमा बढ़ाई- इस बीच, शुक्रवार यानी 4 अप्रैल को डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका में टिकटॉक की हिस्सेदारी बेचने की समयसीमा 75 दिनों के लिए बढ़ा दी है। सूत्रों के मुताबिक यह सौदा बुधवार यानी 2 अप्रैल तक काफी हद तक तय हो चुका था। मगर उसी दिन ट्रंप के टैरिफ एलान ने सबकुछ बिगाड़ दिया। अब ट्रंप का कहना है कि टिकटॉक सौदा की खातिर चीन पर टैरिफ कम करने को तैयार हूं।

सूत्रों के मुताबिक टिकटॉक के अमेरिकी ऑपरेशन को अमेरिका की एक नई कंपनी को बेचना होगा। इसका 80 फीसदी स्वामित्व और संचालन अमेरिकी निवेशकों के पास होगा।

कनाडा में भारतीय नागरिक की चाकू घोंपकर हत्या, पुलिस हिरासत में लिया गया संदिग्ध

नई दिल्ली (एजेंसी)। कनाडा के ओटावा शहर के पास एक भारतीय नागरिक की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। इस घटना के संबंध में पुलिस ने एक संदिग्ध को हिरासत में ले लिया है।

कनाडा की राजधानी ओटावा में भारतीय उच्चायोग ने बताया कि यह घटना रॉकलैंड में हुई। हालांकि, उच्चायोग ने पीड़ित की पहचान उजागर नहीं की।

भारतीय उच्चायोग ने एक्स पर पोस्ट कर दी जानकारी - उच्चायोग ने शुक्रवार को एक्स पर पोस्ट कर कहा, ओटावा के निकट रॉकलैंड में चाकू घोंपकर एक भारतीय नागरिक की दुखद मौत से हम बहुत दुखी हैं। पुलिस ने बताया है कि एक संदिग्ध को हिरासत में ले लिया गया है।

पोस्ट में कहा गया, हम स्थानीय सामुदायिक संघ के माध्यम से शोक संतप्त परिजनों को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए संपर्क में हैं। सीटीवी न्यूज के अनुसार, ओंटारियो प्रांतीय पुलिस (ओपीपी) ने कहा कि शुक्रवार को दोपहर 3 बजे के करीब रॉकलैंड में लालोंडे स्ट्रीट के पास गोलीबारी की घटना हुई थी।

कहां हुई घटना- यह जगह ओटावा शहर से लगभग 40 किलोमीटर पूर्व में है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पुलिस ने अभी तक यह नहीं बताया है कि हिरासत में लिए गए व्यक्ति पर क्या आरोप लगाए गए हैं।

ओपीपी ने कहा कि सार्वजनिक सुरक्षा को लेकर कोई चिंता नहीं है। सीटीवी न्यूज ने ओंटारियो प्रांतीय पुलिस के हवाले से कहा, चूंकि हम जांच के शुरुआती चरण में हैं, इसलिए कोई और जानकारी नहीं दी जा सकती।

कोरोना काल के बाद सबसे बुरे दौर में अमेरिकी शेयर बाजार, बिखर गया पूरा US मार्केट; क्या आने वाली है मंदी?

नई दिल्ली (एजेंसी)। शुक्रवार को डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए रेसिप्रोकल टैरिफ के कारण अमेरिकी शेयर बाजार में 5 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई। निवेशकों में वैश्विक आर्थिक मंदी की आशंका बढ़ गई, जिसके कारण डॉव जोन्स, एस एंड पी 500 (स्न्क्क 500) और नास्डैक जैसी प्रमुख सूचकांकों में भारी नुकसान हुआ।

शेयर बाजारों में भारी गिरावट- डॉव जोन्स सूचकांक में 5.50 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई, जो इसकी एक बड़ी गिरावट में से एक थी। S&P 500 में करीब 6 प्रतिशत की कमी आई, जबकि नास्डैक ने 5.73 प्रतिशत का नुकसान देखा। बैंकिंग और मार्केट एक्सपर्ट अजय बग्गा के मुताबिक, ÷ट्रंप के शपथ ग्रहण के बाद से अमेरिकी बाजारों ने 9 ट्रिलियन डॉलर का मार्केट कैप खो दिया है।

अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल शुल्कों का असर- आस्क प्राइवेट वेल्थ की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि ये शुल्क अमेरिका की अर्थव्यवस्था में अनिश्चितता को बढ़ा सकते हैं और संभवतः अमेरिका में स्टैगफ्लेशन (मंदी के बीच महंगाई) की स्थिति पैदा कर सकते हैं। रिपोर्ट में चेतावनी दी गई कि यह कदम व्यापार बाधाओं को 1800 के दशक के स्तर तक पहुंचा सकता है।

ढीले पड़े डोनाल्ड ट्रंप के तेवर! टैरिफ पर भारत समेत इन 3 देशों से बातचीत करने में जुटे; आ सकती है गुड न्यूज

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दो अप्रैल को भारत समेत दुनिया भर के देशों पर टैरिफ का एलान किया था। मगर ट्रंप के इस कदम से अमेरिकी बाजार में उथल-पुथल का माहौल है। बाजार में बिकवाली और कॉरपोरेट अमेरिकियों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। माना जा रहा है कि ट्रंप के एलान से अमेरिका समेत अन्य देशों में मंदी आ सकती है।

अमेरिकी बाजार पर टैरिफ के निगेटिव असर के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सुर बदले हैं। वे अब भारत, इजरायल और वियतनाम के संपर्क में है। टैरिफ लगाने की डेडलाइन से पहले ट्रंप इन तीनों देशों के साथ मुद्दा हल करना चाहते हैं।

अमेरिका ने चीन पर 34 फीसद टैरिफ लगाया है। जवाब में चीन ने भी अमेरिकी वस्तुओं पर 34 फीसदी टैरिफ का एलान किया है। डोनाल्ड ट्रंप ने बीजिंग की आलोचना की और कहा कि चीनी वस्तुओं पर 34 फीसदी टैरिफ लगाने से चीन घबरा गया है। बता दें कि अमेरिका इससे पहले भी चीन पर 20 फीसदी टैरिफ लगा चुका है। चीन पर अब कुल 54 फीसदी टैरिफ हो चुका है।

ट्रंप प्रशासन ने पहले तो कई देशों पर टैरिफ लगाया। अब उन देशों से बातचीत करने को भी इच्छुक है। अमेरिकी प्रशासन का कहना है कि टैरिफ में फंसे देश घबराने की जगह फोन उठाएं। एक सोशल मीडिया पोस्ट पर ट्रंप ने लिखा कि वियतनाम की कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव तो लाम ने एक प्रस्ताव रखा है कि अगर आपसी समझौता हो जाए तो वे अपने टैरिफ को शून्य तक कम कर देंगे।

राहुल-प्रियंका से नाराज इंडियन मुस्लिम लीग, कांग्रेस सांसद के इस कदम को बताया काला धब्बा

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग ने वायनाड सांसद और कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी की लोकसभा में वक्फ संशोधन बिल पर चर्चा के दौरान अनुपस्थिति पर असंतोष व्यक्त किया है।

समस्त केरल जेम-इयथुल उलमा के मुखपत्र सुप्रभातम् ने 4 अप्रैल को प्रियंका गांधी की अनुपस्थिति को काला धब्बा बताया और सवाल उठाया कि जब बीजेपी इस बिल को बढ़ा रही थी, तो प्रियंका गांधी कहां थीं। राहुल गांधी की चुप्पी पर भी सवाल

सुप्रभातम् ने राहुल गांधी की चुप्पी पर भी सवाल उठाया और कहा कि विपक्ष का यह कर्तव्य था कि वह इस बिल पर बोलते। इसके साथ ही, लेख में विपक्षी दलों, खासकर कांग्रेस, टीएमसी और वामपंथी दलों की भारत गठबंधन के तहत एकजुटता की सराहना की गई। इन दलों ने संसद में इस बिल के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया था।

वक्फ संशोधन बिल पर विपक्ष का विरोध- कांग्रेस के राज्यसभा सांसद सैयद नसीर हुसैन ने इस बिल को असंवैधानिक और अन्यायपूर्ण बताया। उन्होंने कहा, यह एक संवैधानिक समस्या है, यह बिल असंवैधानिक और अन्यायपूर्ण है। यह लक्षित विधेयक है। दोनों सदनों में बहस बहुत अच्छी रही, लेकिन सरकार अपने फैसले पर अड़ी रही। इसके बाद, संसद ने शुक्रवार को मध्यरात्रि के बाद इस बिल को पास किया। वक्फ संशोधन बिल 2025 का उद्देश्य

वक्फ संशोधन बिल 2025 का उद्देश्य 1995 के वक्फ अधिनियम में सुधार करना है ताकि वक्फ संपत्तियों के प्रशासन और प्रबंधन में सुधार हो सके। इस बिल में पहले से मौजूद अधिनियम की खामियों को दूर करने का प्रयास किया गया है और वक्फ बोर्ड की कार्यक्षमता को बढ़ाने के लिए पंजीकरण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल को बढ़ावा दिया जाएगा।

असम में फिर से भगवा लहर, राभा हसोंग परिषद चुनाव में NDA की बड़ी जीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को असम के राभा हसोंग परिषद चुनाव में भारी जीत मिली, जिसमें उन्होंने 36 में से 33 सीटें जीतीं। असम राज्य चुनाव आयोग द्वारा घोषित नतीजों के अनुसार, कांग्रेस को सिर्फ एक सीट पर ही जीत मिली। बीजेपी ने 6 सीटें जीतीं, जबकि उसकी सहयोगी पार्टी राभा हसोंग जॉथो संग्राम समिति ने 27 सीटों पर जीत दर्ज की और 2 निर्दलीय उम्मीदवारों ने भी चुनाव जीतने में सफलता पाई।

मुख्य कार्यकारी सदस्य टंकेश्वर राभा ने फिर से जीत दर्ज की, जिन्होंने नं-7 दक्षिण दुधनोई सीट से चुनाव लड़ा। राभा हसोंग जॉथो संग्राम समिति के उम्मीदवार टंकेश्वर राभा को 7164 वोट मिले, जबकि कांग्रेस के उम्मीदवार संजीब कुमार राभा को 1593 वोट प्राप्त हुए।

मुख्यमंत्री ने दी प्रतिक्रिया- असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने ट्वीट कर कहा, असम में फिर से भगवा लहर! राभा हसोंग स्वायत्त परिषद के लोगों का हम दिल से धन्यवाद करते हैं जिन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कल्याणकारी नीतियों को समर्थन दिया, खासकर आदिवासी समुदायों के लिए।

शानदार रहा संसद का बजट सत्र, कुल 16 विधेयक पारित; वक्फ बिल पर बहस ने बनाया रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के बजट सत्र के दौरान वक्फ संशोधन विधेयक समेत कुल 16 विधेयकों को पारित किया गया। शुक्रवार से समाप्त हुआ बजट सत्र 31 जनवरी से शुरू हुआ था। संसदीय कार्य मंत्रालय के मुताबिक बजट सत्र में लोकसभा की उत्पादकता 118 और राज्यसभा की 119 प्रतिशत रही है।

केंद्रीय संसदीय कार्य एवं अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने शुक्रवार को बजट सत्र के समाप्त होने के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उनके साथ विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) व संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और सूचना एवं प्रसारण व संसदीय कार्य राज्य मंत्री एल मुरुगन भी मौजूद रहे।

पूरे सत्र में हुई कुल 26 बैठकें- रिजिजू ने बताया कि बजट सत्र के पहले चरण में लोकसभा और राज्यसभा की कुल 9 बैठकें हुईं। सत्र के दूसरे भाग में दोनों सदनों की 17 बैठकें हुईं। पूरे बजट सत्र के दौरान कुल 26 बैठकें हुईं। वर्ष के पहले सत्र होने की वजह से राष्ट्रपति ने 31 जनवरी को संविधान के अनुच्छेद 87(1) के अनुसार संसद के दोनों सदनों को संबोधित किया।

173 सदस्यों ने चर्चा में हिस्सा लिया- लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव रामवीर सिंह बिधूड़ी ने पेश किया और रविशंकर प्रसाद ने इसका समर्थन किया।

मिजोरम में अफ्रीकी स्वाइन फीवर का कहर, एक हजार से ज्यादा सूअरों की मौत; इंसानों के लिए कितना है खतरनाक?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफ्रीकी स्वाइन फीवर (स्वस) ने मार्च के महीने में मिजोरम में अपना कहर दिखाया और अब तक 1050 सूअरों की मौत हो चुकी है। राज्य पशुपालन और चिकित्सा विभाग के एक अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि अब तक तीन जिलों के 34 इलाकों को एएसएफ इंफेक्टेड जोन घोषित किया गया है।

इंटरनेशनल और स्टेट बॉर्डर के सटे इलाके- मिजोरम के जिन तीन जिलों को एएफएस इंफेक्टेड घोषित किया गया है, वो हैं लॉन्गतलाई, ममित और सियाहा। लॉन्गतलाई जिले की सीमा म्यांमार और बांग्लादेश की सीमा से लगी हुई है, ममित जिला त्रिपुरा और बांग्लादेश के साथ सीमा साझा करता है और सियाहा की सरहद म्यांमार से लगी हुई है।

कितने सूअरों को मारा गया- राज्य पशुपालन और चिकित्सा विभाग की कई टीमों ने इन जिलों में अब तक 400 से अधिक सूअरों और उसके बच्चों को मार डाला है। अफ्रीकी स्वाइन फीवर के नए आउटब्रेक की पुष्टि 20 मार्च को गुवाहाटी में नॉर्थ-ईस्ट रिजनल डिजीज डायग्नोस्टिक लेबोरेटरी में टेस्ट के जरिए हुई थी।

राज्य पशुपालन और चिकित्सा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि मार्च महीने की शुरुआत में लॉन्गतलाई जिले में एएसएफ के नए आउटब्रेक की पुष्टि हुई थी। राज्य सरकार स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही है। अप्रभावित क्षेत्रों में इस बीमारी को पहुंचने से रोकने की कोशिश लगातार जारी है।

पिछले साल एएसएफ के कारण मिजोरम को 336.49 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था। करीब 15 हजार सूअरों की मौत हो गई थी। बीमारी के प्रकोप को रोकने के लिए 24 हजार 200 सूअरों को मार डाला गया था।

सरकार ने दिया मुआवजा- राज्य पशुपालन और चिकित्सा विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि एएसएफ आउटब्रेक के कारण सूअरों और सूअर के बच्चों को मारे जाने को ध्यान में रखते हुए मिजरम को 2021 में 334.14 करोड़ रुपये, 2022 में 210.32 करोड़ रुपये और 2023 में 15.77 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था।

अंतरिक्ष में इतिहास रचेंगे वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला, AX–4 मिशन के तहत इस दिन भरेंगे स्पेस की उड़ान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला, अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर जाने वाले पहले भारतीय अंतरिक्ष यात्री होंगे। वो मई 2025 अपनी उड़ान भरेंगे। यह यात्रा अक्सियम मिशन 4 के तहत होगी, जिसमें शुक्ला अक्सियम स्पेस द्वारा आयोजित एक निजी अंतरिक्ष मिशन के सदस्य होंगे।

शुभांशु शुक्ला की भूमिका और ऐतिहासिक यात्रा- शुभांशु शुक्ला का अंतरिक्ष में जाना भारतीय अंतरिक्ष यात्रा के लिए एक अहम कदम है। वह भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी ISRO के गगनयान मिशन का हिस्सा बनने के लिए भी चयनित किए गए हैं। गगनयान मिशन भारत का पहला मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशन है, जिसमें एक से तीन अंतरिक्ष यात्री निम्न पृथ्वी कक्षा में यात्रा करेंगे। शुक्ला की अक्सियम मिशन 4 यात्रा गगनयान मिशन से पहले का महत्वपूर्ण अनुभव साबित होगी। इस मिशन में शुक्ला के अलावा, NASA के पूर्व अंतरिक्ष यात्री पेगी व्हिटसन भी मिशन कमांडर के रूप में शामिल होंगे और पोलैंड के स्लावोश उज़्नांस्की-विस्नियव्सकी तथा हंगरी के तिबोर कपू भी इस मिशन का हिस्सा होंगे।

प्रसांत बालकृष्णन नायर को बैक-अप अंतरिक्ष यात्री के रूप में नियुक्ति- भारत ने शुभांशु शुक्ला के लिए बैक-अप अंतरिक्ष यात्री के रूप में ग्रुप कैप्टन प्रसांत बालकृष्णन नायर को भी नियुक्त किया है। यदि शुभांशु किसी कारणवश मिशन पर नहीं जा पाए, तो नायर उनकी जगह ढ्ढस्स् पर पहुंचेंगे। यह बैक-अप योजना अंतरिक्ष मिशनों में सामान्य प्रक्रिया है, जो किसी भी अप्रत्याशित स्थिति के लिए तैयार रहती है।

अक्सियम मिशन 4 को फ्लोरिडा के केनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च किया जाएगा और इसे स्पेसङ्ग ड्रैगन अंतरिक्ष यान द्वारा भेजा जाएगा।

कर्नाटक में बड़ा हादसा, खड़े ट्रक से भिड़ी कार; 5 लोगों की मौत और 10 घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के कलबुर्गी जिले में एक बड़ा हादसा हुआ है। यहां सड़क हादसे में 5 लोगों की मौत से कोहराम मच गया है। करीब 10 अन्य लोग घायल हैं। हादसा नेलोगी क्रॉस के पास तड़के लगभग साढ़े तीन बजे हुआ। दरअसल, सड़क किनारे एक ट्रक खड़ा था। तभी एक तेज रफ्तार वैन इस ट्रक से जा भिड़ी।

हादसे की जांच में जुटी पुलिस- कलबुर्गी पुलिस के मुताबिक सभी मृतक बागलकोट जिले के रहने वाले थे। घायलों का कलबुर्गी के अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस बीच जिले के एसपी ए श्रीनिवासुलु ने घटनास्थल का दौरा किया। नेलोगी थाने में मामला दर्जकर हादसे की जांच शुरू कर दी गई है।

दरगाह जा रहे थे सभी लोग- मृतकों में एक 13 वर्षीय बच्चा भी शामिल है। पुलिस के मुताबिक सभी लोग कलबुर्गी जिले में स्थित एक दरगाह जा रहे थे। पुलिस ने बताया कि ट्रक का टायर पंक्चर हो गया था। वह सड़क के बाईं ओर खड़ा था। ड्राइवर टायर बदलने में व्यस्त था। तभी यात्रियों को दरगाह ले जा रही वैन ने पीछे से ट्रक को टक्कर मार दी। कलबुर्गी के पुलिस अधीक्षक ए श्रीनिवासुलु ने बताया कि हादसा इतना भीषण था कि 5 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद वैन चालक मौके से फरार हो गया।

मांड्या में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत - उधर, मांड्या जिले में एक दर्दनाक हादसे में एक ही परिवार के चार लोगों की जान गई है। यह हादसा बेंगलुरु-मैसूर एक्सप्रेस वे पर हुआ है। जानकारी के मुताबिक परिवार पिरियापट्टना जा रहा था। तभी तुबिनाकेरे एग्जिट के पास राज्य परिवहन की बस ने कार को पीछे से टक्कर मार दी।

मांड्या के एसपी मल्लिकार्जुन बलदंडी ने बताया कि एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
हिन्दकुश मीडिया
jagrayam.com
online news magazine
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

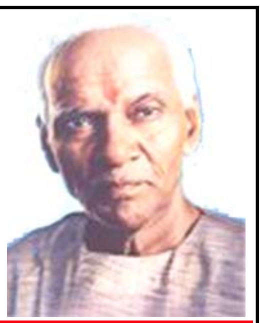

विक्रम संवत 2079 शुक्ल नवमी

संपादकीय

अंग की भूमि भागलपुर का इतिहास अति प्राचीन है

अंग की भूमि भागलपुर का इतिहास अति प्राचीन है और इसके साथ कई महत्वपूर्ण पौराणिक एवं महाकाव्य-कालीन गाथाएं जुड़ी हुई हैं। बुद्ध-काल से भी पूर्व यह एक समुन्नत राज्य था। यही कारण है कि चीनी यात्री ह्वेन संग ने इसकी राजधानी चम्पा को विश्व के समुन्नत और विकसित नगरों में एक बताया था। पौराणिक काल में देवताओं तथा दानवों के द्वारा किये गये समुद्र-मंथन की घटना इसी भूमि पर हुई थी माना जाता है कि बौंसी में स्थित मंदार पर्वत को मथनी बनाकर ही समुद्र मंथन किया गया था। स्वर्ग से पृथ्वी पर अवतरण के समय पुण्य सलिला गंगा यहीं पर सुल्तानगंज के अजगैबीनाथ धाम में आकर जाह्नवी कहलाई थी।

कामदेव द्वारा भगवान शिव का ध्यान भंग किये जाने पर क्रोधित शिव के त्रिनेत्र की ज्वाला से यहीं पर आकर कामदेव ने अपना अंग अर्थात शरीर त्यागा था जिसके कारण यह भूमि अंग कहलाई थी। ऐसे तो अंग की प्रसिद्धि महाभारतकालीन योद्धा कर्ण की भूमि के रूप में सदियों से है, किंतु इस तथ्य से बहुत कम लोग परिचित हैं कि मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की गाथा को महिमामंडित करनेवाले महाकाव्य रामायण के भी कई महत्वपूर्ण प्रसंग अंग से जुड़े हुए हैं।

सदियों से भारतीय जनमानस की धर्म तथा आस्था का प्रतीक बने महर्षि वाल्मीकि रचित श्रीमद् रामायण में अंगभूमि की प्रमुखता से चर्चा है जो त्रेता युग में इस प्राचीन भूमि की महत्ता को दर्शाता है। वाल्मीकि रामायण में वर्णित दृष्टांतों से यह लक्षित होता है कि इस पावन भूमि पर ही श्रीराम के जन्म की पृष्ठभूमि लिखी गई थी। अयोध्या नरेश दशरथ और अंग के राजा रोमपाद न सिर्फ अभिन्न मित्र थे, वरन् निकट के संबंधी भी थे। श्रीराम की माता और राजा दशरथ की रानी कौशल्या की बड़ी बहन वर्षिणी का विवाह अंगराज रोमपाद के साथ हुआ था। रोमपाद को राजा दशरथ ने अपनी पुत्री शान्ता को गोद दिया था जो अंग के महान ऋषि श्रृंग्य अर्थात श्रृंगी ऋषि के साथ ब्याही गई थी। इन्हीं ऋषि श्रृंगी के द्वारा सम्पादित अश्वमेध यज्ञ स्वरूप पुत्र कामेष्टि यज्ञ के फल से श्रीराम सहित भरत, लक्ष्मण और शत्रुघ्न का जन्म हुआ था। पुत्र कामेष्टि यज्ञ हेतु ऋषि श्रृंगी को अयोध्या आमंत्रित करने के लिये स्वयं राजा दशरथ अंग आये थे।

अंगभूमि और अयोध्या के उक्त समस्त प्रकरणों का महर्षि वाल्मीकि रचित रामायण के विभिन्न स्थानों के अलावा बालकाण्ड के नवम सर्ग से लेकर अष्टादश (18 वां) सर्ग में प्रमुखता से वर्णन किया गया है। वाल्मीकि रामायण के अलावा तुलसीदास रचित श्रीरामचरित मानस, आनन्द रामायण और आध्यात्म रामायण में भी इसके उल्लेख मिलते हैं।राम-काव्य संबंधित ग्रंथों में वाल्मीकि रामायण को अत्यधिक प्रमाणिक तथा इतिहास क्रम की दृष्टि से समपुष्ट माना जाता है। कारण, वाल्मीकि श्रीराम के समकालीन थे और उन्होंने आंखों देखी विवरणों को अपने ग्रंथ में लिपिबद्ध किया है।वाल्मीकि के आश्रम में ही श्रीराम के पुत्र लव और कुश का जन्म हुआ था।

वाल्मीकि रामायण में अंग के प्रसंगों की चर्चा करें तो इसमें अंगदेश के राजा रोमपाद को एक बड़ा ही प्रतापी और बलवान बताया गया है -एतस्मिन्नेव काले तु रोमपादः प्रतापवान्/ अंगेषु प्रथितो राजा भविष्यति महाबलः। राजा दशरथ और राजा रोमपाद तथा शान्ता के संबंध में उल्लिखित है कि राजा दशरथ की अंगराज के साथ मित्रता होगी और दशरथ को शान्ता नाम की एक परम सौभाग्यशालिनी कन्या होगी - अंगराजेन सख्यं च तस्य राज्ञो भविष्यति।/कन्या चास्य महाभागा शान्ता नाम भविष्यति।।

रामनवमी

रामनवमी एक ऐसा पर्व है, जिस पर चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा को प्रतिवर्ष नये विक्रम संवत्सर का प्रारंभ होता है और उसके आठ दिन बाद ही चैत्र शुक्ल पक्ष की नवमी को एक पर्व राम जन्मोत्सव का, जिसे रामनवमी के नाम से जाना जाता है, समस्त देश में मनाया जाता है। इस देश की राम और कृष्ण दो ऐसी महिमाशाली विभूतियाँ रही हैं, जिनका अमिट प्रभाव समूचे भारत के जनमानस पर सदियों से अनवरत चला आ रहा है।

रामनवमी, भगवान राम की स्मृति को समर्पित है। राम सदाचार के प्रतीक हैं, और इन्हें मर्यादा पुरुषोतम कहा जाता है। रामनवमी को राम के जन्मदिन की स्मृति में मनाया जाता है। राम को भगवान विष्णु का अवतार माना जाता है, जो पृथ्वी पर अजेय रावण (मनुष्य रूप में असुर राजा) से युद्ध लड़ने के लिए आए। राम राज्य (राम का शासन) शांति व समृद्धि की अवधि का पर्यायवाची बन गया है। रामनवमी के दिन, श्रद्धालु बड़ी संख्या में उनके जन्मोत्सव को मनाने के लिए राम जी की मूर्तियों को पालने में झुलाते हैं। इस महान् राजा की काव्य तुलसी रामायण में राम की कहानी का वर्णन है।

मर्यादा पुरुषोत्तम

भगवान विष्णु ने राम रूप में असुरों का संहार करने के लिए पृथ्वी पर अवतार लिया और जीवन में मर्यादा का पालन करते हुए मर्यादा पुरुषोत्तम कहलाए। आज भी मर्यादा पुरुषोत्तम राम का जन्मोत्सव तो धूमधाम से मनाया जाता है पर उनके आदर्शों को जीवन में नहीं उतारा जाता। अयोध्या के राजकुमार होते हुए भी भगवान राम अपने पिता के वचनों को पूरा करने के लिए संपूर्ण वैभव को त्याग 14 वर्ष के लिए वन चले गए और आज देखें तो वैभव की लालसा में ही पुत्र अपने माता-पिता का काल बन रहा है।

राम का जन्म

पुरुषोत्तम भगवान राम का जन्म चैत्र मास की शुक्ल पक्ष की नवमी को पुनर्वसु नक्षत्र तथा कर्क लग्न में कौशल्या की कोख से हुआ था। यह दिन भारतीय जीवन में पुण्य पर्व माना जाता हैं। इस दिन सरयू नदी में स्नान करके लोग पुण्य लाभ कमाते हैं।

अगस्त्यसंहिता के अनुसार
मंगल भवन अमंगल हारी,
दर्विहुसु दशरथ अजिर बिहारि॥

अगस्त्यसंहिता के अनुसार चैत्र शुक्ल पक्ष की नवमी, के दिन पुनर्वसु नक्षत्र, कर्कलग्न में जब सूर्य अन्यान्य पाँच ग्रहों की शुभ दृष्टि के साथ मेष राशि पर विराजमान थे, तभी साक्षात भगवान् श्रीराम का माता कौशल्या के गर्भ से जन्म हुआ।

धार्मिक दृष्टि से चैत्र शुक्ल नवमी का विशेष महत्व है। त्रेता युग में चैत्र शुक्ल नवमी के दिन रघुकुल शिरोमणि महाराज दशरथ एवं महारानी कौशल्या के यहाँ अखिल ब्रह्माण्ड नायक अखिलेश ने पुत्र के रूप में जन्म लिया था। राम का जन्म दिन के बारह बजे हुआ था, जैसे ही सौंदर्य निकेतन, शंख, चक्र, गदा, पद्म धारण किए हुए चतुर्भुजधारी श्रीराम प्रकट हुए तो माता कौशल्या उन्हें देखकर विस्मित हो गईं। राम के सौंदर्य व तेज को देखकर उनके नेत्र तृप्त नहीं हो रहे थे। देवलोक भी अवध के सामने श्रीराम के जन्मोत्सव को देखकर फीका लग रहा था। जन्मोत्सव में देवता, ऋषि, किन्नर, चारण सभी शामिल होकर आनंद उठा रहे थे। हम प्रतिवर्ष चैत्र शुक्ल नवमी को राम जन्मोत्सव मनाते हैं और राममय होकर कीर्तन, भजन, कथा आदि में रम जाते हैं। रामनवमी के दिन ही गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरितमानस की रचना का श्रीगणेश किया था।

रामनवमी की पूजा

हिन्दू धर्म में रामनवमी के दिन पूजा की जाती है। रामनवमी की पूजा के लिए आवश्यक सामग्री रोली, ऐपन, चावल, जल, फूल, एक घंटी और एक शंख हैं। पूजा के बाद परिवार की सबसे छोटी महिला सदस्य परिवार के सभी सदस्यों को टीका लगाती है। रामनवमी की पूजा में पहले देवताओं पर जल, रोली और ऐपन चढ़ाया जाता है, इसके बाद मूर्तियों पर मुट्ठी भरके चावल चढ़ाये जाते हैं। पूजा के बाद आरती की जाती है और आरती के बाद गंगाजल अथवा सादा जल एकत्रित हुए सभी जनों पर छिड़का जाता है।

रामनवमी व्रत

रामनवमी के दिन जो व्यक्ति पूरे दिन उपवास रखकर भगवान श्रीराम की पूजा करता है, तथा अपनी आर्थिक स्थिति के अनुसार दान-पुण्य करता है, वह अनेक जन्मों के पापों को भस्म करने में समर्थ होता है।

विधि

रामनवमी का व्रत महिलाओं के द्वारा किया जाता है। इस दिन व्रत करने वाली महिला को प्रातः सुबह उठना चाहिए। घर की साफ-सफाई कर घर में गंगाजल छिड़क कर शुद्ध कर लेना चाहिए। इसके पश्चात् स्नान करके व्रत का संकल्प लेना चाहिए। इसके बाद एक लकड़ी के चौकोर टुकड़े पर सतिया बनाकर एक जल से भरा गिलास रखना चाहिए और अपनी अंगुली से चाँदी का छल्ला निकाल कर रखना चाहिए। इसे प्रतीक रुप से गणेशजी माना जाता है। व्रत कथा सुनते समय हाथ में गेहूँ-बाजरा आदि के दाने लेकर कहानी सुनने का भी महत्व कहा गया है। रामनवमी के व्रत के दिन मंदिर में अथवा मकान पर ध्वजा, पताका, तोरण और बंदनवार आदि से सजाने का विशेष विधि-विधान है। व्रत के दिन कलश स्थापना और राम जी के परिवार की पूजा करनी चाहिए, और भगवान श्री राम का दिनभर भजन, स्मरण, स्तोत्रपाठ, दान, पुण्य, हवन, पितृश्राद्ध और उत्सव किया जाना चाहिए।

रामनवमी व्रत कथा

राम, सीता और लक्ष्मण वन में जा रहे थे। सीता जी और लक्ष्मण को थका हुआ देखकर राम जी ने थोड़ा रुककर आराम करने का विचार किया और एक बुढ़िया के घर गए। बुढ़िया सूत कात रही थी। बुढ़िया ने उनकी आवभगत की और बैठाया, स्नान-ध्यान करवाकर भोजन करवाया। राम जी ने कहा- बुढ़िया माई, पहले मेरा हंस मोती चुगाओ, तो में भी करूं। बुढ़िया बेचारी के पास मोती कहाँ से आवें, सूत कात कर ग़रीब गुज़ारा करती थी। अतिथि को ना कहना भी वह ठीक नहीं समझती थी। दुविधा में पड़ गई। अतः दिल को मज़बूत कर राजा के पास पहुँच गई। और अंजली मोती देने के लिये विनती करने लगी। राजा अचम्भे में पड़ा कि इसके पास खाने को दाने नहीं हैं और मोती उधार मांग रही है। इस स्थिति में बुढ़िया से मोती वापस प्राप्त होने का तो सवाल ही नहीं उठता। आखिर राजा ने अपने नौकरों से कहकर बुढ़िया को मोती दिला दिये।

बुढ़िया मोती लेकर घर आई, हंस को मोती चुगाए और मेहमानों की आवभगत की। रात को आराम कर सवेरे राम जी, सीता जी और लक्ष्मण जी जाने लगे। राम जी ने जाते हुए उसके पानी रखने की जगह पर मोतियों का एक पेड़ लगा दिया। दिन बीतते गये और पेड़ बड़ा हुआ, पेड़ बढ़ने लगा, पर बुढ़िया को कुछ पता नहीं चला। मोती के पेड़ से पास-पड़ौस के लोग चुग-चुगकर मोती ले जाने लगे।

एक दिन जब बुढ़िया उसके नीचे बैठी सूत कात रही थी। तो उसकी गोद में एक मोती आकर गिरा। बुढ़िया को तब ज्ञात हुआ। उसने जल्दी से मोती बांधे और अपने कपड़े में बाधकर वह क़िले की ओर ले चली। उसने मोती की पोटली राजा के सामने रख दी। इतने सारे मोती देख राजा अचम्भे में पड़ गया। उसके पूछने पर बुढ़िया ने राजा को सारी बात बता दी। राजा के मन में लालच आ गया। वह बुढ़िया से मोती का पेड़ मांगने लगा। बुढ़िया ने कहा कि आस-पास के सभी लोग ले जाते हैं। आप भी चाहे तो ले लें। मुझे क्या करना है। राजा ने तुरन्त पेड़ मंगवाया और अपने दरबार में लगवा दिया। पर रामजी की मर्जी, मोतियों की जगह कांटे हो गये और आते-जाते लोगों के कपड़े उन कांटों से ख़राब होने लगे। एक दिन रानी की ऐड़ी में एक कांटा चुभ गया और पीड़ा करने लगा। राजा ने पेड़ उठवाकर बुढ़िया के घर वापस भिजवा दिया।

बाजार में हाहाकार लेकिन 4 वाले शेयर को खरीदने की लूट, आपका है दांव?

नई दिल्ली (एजेंसी)। बाजार की बिकवाली के बीच शुक्रवार को कुछ पेनी शेयरों की डिमांड थी। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को यूनिटेक इंटरनेशनल लिमिटेड के शेयर में बड़ी तेजी आई। शेयर की पिछली क्लोजिंग 4.51 रुपये थी, जो शुक्रवार को ट्रेडिंग के दौरान 10% बढ़कर 4.98 रुपये पर पहुंच गई। अप्रैल 2024 में यह शेयर 6.70 रुपये पर पहुंच गया था। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई है। मार्च 2025 में शेयर की कीमत 4.26 रुपये पर थी। यह शेयर के 52 हफ्ते का लो लेवल है।

यूनिटेक इंटरनेशनल लिमिटेड की शेयरहोल्डिंग पैटर्न की बात करें तो प्रमोटर्स के पास 31.02 फीसदी हिस्सेदारी है। वहीं, 68.98 फीसदी शेयर पब्लिक शेयरहोल्डर्स के पास है। प्रमोटर्स में देसाई ध्रुव राजेश, दर्शन हिरेन देसाई और दक्षा राजेश देसाई के पास क्रमशः 24.08 फीसदी, 3.97 फीसदी और 2.97 फीसदी की हिस्सेदारी है।

बीएसई इंडेक्स के मुकाबले यूनिटेक इंटरनेशनल लिमिटेड के शेयर लॉन्ग टर्म में बिकवाली वाले मोड में थे। दो साल की अवधि में रिटर्न निगेटिव में 22 फीसदी रहा। वहीं, एक साल की अवधि का रिटर्न करीब 17 फीसदी निगेटिव में रहा। इसी तरह, छह महीने, तीन महीने की अवधि का रिटर्न भी निगेटिव था।

बीते शुक्रवार को शेयर बाजार में हाहाकार मच गया। इस गिरावट से निवेशकों की संपत्ति में 10 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आई। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 930.67 अंक गिरकर 75,364.69 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 1,054.81 अंक टूटकर 75,240.55 के निचले स्तर पर पहुंच गया था। शेयर बाजार में कमजोर रुख के चलते बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 9,98,379.46 करोड़ रुपये घटकर 4,03,34,886.46 करोड़ रुपये (4,730 अरब डॉलर) रह गया। बीएसई में 2,820 शेयरों में गिरावट आई, 1,126 शेयरों में तेजी आई और 130 शेयरों के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

टाटा के इस शेयर में भूचाल, 140 रुपये पर आया भाव, दांव लगाना सही या नहीं?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भारत समेत अलग-अलग देशों पर टैरिफ लगाए जाने के बाद दुनियाभर में ट्रेड वॉर की आशंका बढ़ गई है। इसका असर भारत के शेयर बाजार पर भी पड़ा है। भारतीय शेयर बाजार के मेटल शेयरों में बड़ी गिरावट देखी जा रही है। बीते शुक्रवार को लीडिंग स्टील कंपनी- टाटा स्टील के शेयर करीब 9 फीसदी क्रैश हो गए। ट्रेडिंग के अंत में शेयर की कीमत 153.35 रुपये से टूटकर 140 रुपये पर आ गई।

टाटा स्टील को नोटिस- इस बीच, टाटा स्टील ने बताया कि उसे वित्त वर्ष 2018-19 के लिए कर-योग्य आय का पुनर्मूल्यांकन कर उसमें 25,000 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी करने का ऑर्डर मिला है। कंपनी ने इस आदेश के खिलाफ बंबई उच्च न्यायालय का रुख किया है। इस मुद्दे को स्पष्ट करते हुए कंपनी ने कहा कि उसने मई, 2018 में दिवाला कार्यवाही के माध्यम से पूर्ववर्ती भूषण स्टील लिमिटेड (अब टाटा स्टील बीएसएल लिमिटेड) का अधिग्रहण किया था। इस अधिग्रहण की वजह से टाटा स्टील बीएसएल लिमिटेड (टीएसबीएसएल) के पक्ष में 25,185.51 करोड़ रुपये का ऋण माफ कर दिया गया था। बाद में, टीएसबीएसएल और बामनीपाल स्टील लिमिटेड का विलय टाटा स्टील लिमिटेड में हो गया, जो नवंबर, 2021 से प्रभावी हो गया।

रेखा झुनझुनवाला के निवेश वाली कंपनी को खरीदने की सलाह दे रहे एक्सपर्ट, 1 महीने में 10% की उछाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। रेखा झुनझुनवाला के निवेश वाले स्टॉक फेडरल बैंक के शेयरों को खरीदने की सलाह ब्रोकरेज हाउस ने दिया है। ब्रोकरेज हाउस सीएलएसए ने फेडरल बैंक के शेयरों को BUY टैग दिया है। शुक्रवार को कंपनी के शेयर 0.36 प्रतिशत की तेजी के साथ 194.90 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था। फेडरल बैंक ने केवीएस मेनन को नया मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ नियुक्त किया है। इनकी नियुक्ति 23 सितंबर 2024 से प्रभावी है। केवीएस मेनन, श्याम श्रीनिवासन की जगह लेंगे।

क्या टारगेट प्राइस सेट किया गया है? - फेडरल बैंक के शेयरों के प्रदर्शन को लेकर ब्रोकरेज हाउस सीएलएसए ने 'लो रिस्क, लो रिटर्न' कमेंट किया है। ब्रोकरेज हाउस 230 रुपये का टारगेट प्राइस सेट किया है। बता दें, 5 दिसंबर को कंपनी के शेयर अपने रिकॉर्ड हाई 261.90 रुपये के लेवल पर पहुंच गया है।

झुनझुनवाला के पास कितने शेयर? - रेखा झुनझुनवाला के पास फेडरल बैंक के पास 3.45 करोड़ शेयर है। उनकी दिसंबर तिमाही तक कुल हिस्सेदारी 1.42 प्रतिशत थी। trendlyne के डाटा के अनुसार इस बैंकिंग स्टॉक में 24.77 प्रतिशत हिस्सेदारी है। वहीं, अन्य के पास 13 प्रतिशत हिस्सा है। शेयर बाजार में कंपनी का प्रदर्शन कैसा है? - बीते एक महीने के दौरान फेडरल बैंक के शेयरों की कीमतों में 10 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। वहीं, एक साल में स्टॉक का भाव 27.90 प्रतिशत बढ़ा है। कंपनी का 52 वीक लो लेवल 148.25 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 47,844.74 करोड़ रुपये है। 2 साल में फेडरल बैंक के शेयरों की कीमतों में 27 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। वहीं, 5 साल में फेडरल बैंक के शेयरों का भाव 387 प्रतिशत बढ़ा है।

ट्रंप के टैरिफ का भी इस छोटकू शेयर पर नहीं पड़ा असर, 19% बढ़ा दाम, कीमत 50 रुपये से कम

नई दिल्ली (एजेंसी)। डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ के ऐलान का बुरा असर भारतीय शेयर बाजार पर भी पड़ा है। लेकिन कल यानी शुक्रवार को एक कंपनी ऐसी भी रही जिसके ऊपर कोई असर नहीं दिखा। हम बात कर रहे हैं वीआईपी क्लोथिंग लिमिटेड की है। कल कंपनी के शेयरों की कीमतों में करीब 20 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। बता दें, कंपनी के शेयरों का भाव 50 रुपये कम का है।

क्यों नहीं दिखा असर- कंपनी का बिजनेस अपडेट आया है। जिसमें सालाना आधार पर ग्रोथ देखने को मिला है। वहीं, वीआईपी क्लोथिंग लिमिटेड के शेयरों पर डोनाल्ड ट्रंप के फैसले का असर ना पड़ने की वजह यह है कि ट्रंप ने भारत पर कम टैक्स लगाना है। भारत की तुलना में कई ऐसे देश हैं जहां पर ज्यादा टैक्स लगा है। ये वो देश हैं जो कपड़े का कारोबार करते हैं।

कंपनी ने 3 अप्रैल को कंपनी ने बिजनेस अपडेट दिया है। कंपनी ने बताया है कि मार्च तिमाही में कुल रेवन्यू (ऑपरेशंस) 64.36 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी का रेवन्यू 32.28 करोड़ रुपये रहा है। इस बिजनेस अपडेट का भी फायदा कंपनी के शेयरों पर साफ दिख रहा है।

शुक्रवार को वीआईपी लिमिटेड के शेयर 32.45 रुपये के लेवल पर खुला था। दिन में कंपनी के शेयरों का भाव कल 37.41 रुपये के लेवल पर पहुंच गया था।

इस शेयर के टारगेट प्राइस में बड़ी कटौती, ट्रंप के टैरिफ ऐलान का असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से किए गए टैरिफ ऐलान के बाद भारत समेत दुनियाभर के शेयर बाजारों का मूड खराब है। भारतीय बाजार के इस माहौल में कुछ कंपनियों के शेयर पर ब्रोकरेज कंपनियों का भी इरादा बदला है। ऐसा ही एक शेयर भारत फोर्ज लिमिटेड है।

शेयर की कीमत- भारत फोर्ज लिमिटेड के शेयर की बात करें तो 9 फीसदी से ज्यादा टूटकर 1014 रुपये के निचले स्तर पर आ गया। कारोबार के अंत में शेयर 8.46% टूटकर 1024.40 रुपये पर बंद हुआ। शेयर में यह गिरावट ऐसे समय में आई जब ब्रोकरेज मॉर्गन स्टेनली द्वारा स्टॉक को ओवरवेट से इक्वलवेट में डाउनग्रेड किया गया है। इसके साथ ही शेयर के टारगेट प्राइस में 14 प्रतिशत की कटौती की गई है। फरवरी 2025 में शेयर की कीमत 1,001.80 रुपये थी। यह शेयर के 52 हफ्ते का निचला स्तर है। भारत फोर्ज पर कवरेज करने वाले 26 विश्लेषकों में से 14 ने स्टॉक पर खरीद रेटिंग दी है, जबकि सात ने बेचने की सिफारिश की है। उनमें से पांच ने होल्ड रेटिंग दी है।

मॉर्गन स्टेनली ने टारगेट प्राइस और रेटिंग में कटौती का हवाला अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ के लिए दिया। ब्रोकरेज ने कहा कि कंपनी ने अपने नॉन-ऑटो बिजनेस को अच्छी तरह से बढ़ाया है। मॉर्गन स्टेनली ने कहा कि ऑटो और नॉन-ऑटो उत्पादों पर टैरिफ धीरे-धीरे प्रभावी होने की संभावना है। रिपोर्ट के अनुसार भारत फोर्ज को निकट अवधि में 200 आधार अंकों का मार्जिन प्रभाव झेलना पड़ सकता है। ब्रोकरेज ने टारगेट प्राइस को 1366 प्रति शेयर से घटाकर 1170 प्रति शेयर कर दिया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत समेत दुनियाभर के कई बड़े देशों पर टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। अमेरिका ने भारत पर लगाए जाने वाले आयात शुल्क को पहले 27 प्रतिशत किया, इसके कुछ ही दिन बाद घटाकर 26 प्रतिशत कर दिया है। ये शुल्क नौ अप्रैल से लागू होंगे।

हर साल 20 का खर्च, 2 लाख रुपये का कवर, बड़े काम की मोदी सरकार की यह स्कीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने अपने पहले कार्यकाल में कई ऐसी योजनाएं शुरू की थीं, जिसका लाभार्थी गरीब वर्ग है। ऐसी ही एक योजना- प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना है। यह योजना 18 से 70 वर्ष की आयु के लोगों के लिए उपलब्ध है। योजना के तहत 20 रुपये के वार्षिक प्रीमियम के भुगतान पर 2 लाख रुपये तक का बीमा कवर है। आइए योजना के बारे में डिटेल जान लेते हैं।

यह एक साल की दुर्घटना बीमा योजना है जो दुर्घटना के कारण मृत्यु या दिव्यांगता के लिए कवरेज प्रदान करती है और यह साल-दर-साल रिन्यूएल है। इसकी पात्रता 18-70 वर्ष के आयु वर्ग के लिए है। जिनके पास एक व्यक्तिगत बैंक या डाकघर खाता है, योजना के तहत नामांकन के लिए पात्र हैं। दुर्घटना के कारण मृत्यु या दिव्यांगता के लिए 20/- रुपये प्रति वर्ष की प्रीमियम पर 2 लाख रुपये (आंशिक विकलांगता के मामले में रु. 1 लाख) का दुर्घटना मृत्यु सह विकलांगता कवर मिलता है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

बकरियों का शिकार करने के बाद चीता ज्वाला और 4 शावकों को लगी प्यास, बर्तन में पानी पिलाते नजर आया ग्रामीण

श्योपुर। कूनो के जंगल में घूम रही मादा चीता ज्वाला और उसके चार शावकों विजयपुर के ऊमरीकलां गांव में छह बकरियों का शिकार किया। ग्रामीण ने इसकी सूचना वन विभाग को दी, तो पूरा अमला पहुंच गया।

अब शिकार के बाद का एक दिलचस्प वीडियो सामने आया है। एक तरफ जहां चीता रिहायशी क्षेत्र में जा रहे हैं वहीं ग्रामीण भी इनके प्रति कम भयभीत होने लगे हैं। विजयपुर के डोब गांव का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें एक ग्रामीण सत्या गुर्जर चीतों को पानी पिलाता दिख रहा है।बताते हैं कि शुक्रवार को पड़ोस के गांव ऊमरीकलां में बकरियों के शिकार के बाद ज्वाला चीता व उसके चार शावक यहां पेड़ के नीचे सुस्ताते नजर आए। ऐसे में प्रबंधन ने ट्रेकिंग टीम को चीतों के लिए पानी की व्यवस्था पर ध्यान देने के निर्देश दिए गए थे, ताकि छह बकरियों के शिकार के बाद चीतें

पानी की तलाश में गांव में न घुसे।

ऐसे में ग्रामीण सत्या गुर्जर ने साहस करते हुए चीतों की केतली भरकर लाया और परात में पानी भरकर पिलाया। चीतों को जैसे ही कम (ष्थ्द्दद्द) कहकर पुकारा तो चीते आए और आराम से पानी पीकर चले गए।नीचे देखिए वीडियो।

खेल में बंधी थीं बकरियां, चीतों ने कर दिया हमला

इससे पहले शुक्रवार शाम खबर आई कि चीजों ने खेल बंधी बकरियों पर हमला किया है। शिकार करने के बाद करीब आधे घंटे तक ज्वाला चीता शावकों संग खेतों में डेरा जमाए रही। शिकार का वीडियो भी ग्रामीणों ने बनाया।

इस तरह अचानक गांव में चीतों की आमद और पालतू पशु के शिकार से ग्रामीण भयभीत हैं। डीएफओ थिरूकूलम आर का कहना है कि ट्रेकिंग टीम चीतों की निगरानी कर रही है। गांव में अतिरिक्त टीम भी भेजी गई है। ग्रामीणों से अलर्ट रहने के लिए कहा गया है।शुक्रवार को विजयपुर तहसील क्षेत्र के ऊमरीकलां गांव में मवेशी चरा रहे पशुपालकों को पांच चीता एक साथ खेत में नजर आए। तभी चीतों ने चौहान धाकड़ के खेत में बंधी छह बकरियों पर हमला बोल दिया। ग्रामीण बकरियों को बचाने की योजना बना पाते इससे पहले ही चीतों ने उनका शिकार कर दिया।

पशुपालकों ने सूचना देकर ग्रामीणों को मौके पर बुला लिया। ग्रामीणों ने शिकार का वीडियो बनाया। वायरल वीडियो में मादा चीता ज्वाला अपने चार शावकों के साथ दिखाई दे रही है।

सीहोर के पास मंत्री शिवराज चौहान के काफिले का पुलिस का वाहन पलटा, 3 घायल

सीहोर। भोपाल से देवास जा रहे केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के काफिले में शामिल पुलिस की गाड़ी आष्टा थाना क्षेत्र के ग्राम बेदाखेड़ी के पास हादसे का शिकार हो गई है। काफिले में शामिल गाड़ी अनियंत्रित होकर पलटने से उसमें सवार 3 पुलिस जवान घायल हुए हैं। घायल जवानों को तुरंत इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान शनिवार को भोपाल से देवास जिले के खातेगांव संदलपुर जा रहे थे।

उनका काफिला जैसे ही आष्टा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम बेदाखेड़ी के पास पहुंचा तो काफिले में शामिल एक फॉलो वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया।

घटना में तीन पुलिसकर्मी घायल हुए हैं, जिनमें एएसआई एसपी सिमोलिया, नीरज शुक्ला और आकाश अटल शामिल हैं।घायल पुलिसकर्मियों को तुरंत सीहोर जिला अस्पताल में किया गया है जहां उनका इलाज चल रहा है।

मनचलों ने की छात्रा से छेड़छाड़, विरोध किया तो मारपीट की, केस दर्ज

भोपाल। रानीकमलापति रेलवे स्टेशन के सामने दो मनचलों ने एक छात्रा से छेड़छाड़ कर दी। छात्रा ठेले पर चाउमिन खा रही थी, तभी अचानक बदमाश आ गए और उससे छेड़छाड़ शुरू कर दी। इस दौरान छात्रा ने दोनों मनचलों का फोटो खींच लिया और नजदीकी हबीबगंज थाने में जाकर पुलिस को घटना की सूचना दी। फोटो के सहारे पुलिस ने आरोपितों की पहचान की और उन पर प्रकरण दर्ज कर लिया है।

एसआई मुक्ता शर्मा ने बताया कि 25 वर्षीय छात्रा इटारसी की रहने वाली है। वह भोपाल के एक विश्वविद्यालय से ला की पढ़ाई कर रही है। शुक्रवार को छात्रा विवि से वापस लौटकर इटारसी जाने के लिए रानीकमलापति स्टेशन आई थी। वह स्टेशन के सामने लगे ठेले से चाउमिन खा रही थी कि दो मनचलों ने उस पर अभद्र कमेंट्स करना शुरू कर दिया, साथ ही छेड़छाड़ करने लगे। छात्रा ने विरोध किया तो आरोपितों ने उससे मारपीट भी की और धमकी दी। छात्रा ने दोनों का फोटो खींच लिया था।मौके पर मौजूद दुकानदारों से पूछताछ के बाद आरोपितों की पहचान हर्ष मेहरा और आकाश बैरागी के रुप में हुई है। दोनों आरोपितों पर पूर्व में भी हबीबगंज थाने में अपराध दर्ज हैं। पुलिस उनकी तलाश कर रही है।

बुरहानपुर में सदर को लेकर हुए खूनी संघर्ष के सात आरोपितों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

बुरहानपुर। शहर के लोहार मंडी क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर दो गुटों के बीच हुए खूनी संघर्ष के सात आरोपितों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। शनिवार सुबह उन्हें न्यायालय में प्रस्तु किया गया था। जहां से खंडवा जेल भेजने का आदेश दिया गया।

गणपति थाना पुलिस ने जिला अस्पताल में आरोपितों का मेडिकल परीक्षण करा उन्हें जेल भेज दिया है। थाना प्रभारी सुरेश महाले के अनुसार हीरे खां, इस्माइल खां, मोहम्मद खां, मोहम्मद रईस, गुलाम अहमद, नदीम मोहम्मद और मोहम्मद शरीफ को गिरफ्तार किया गया है। शेष आरोपितों की तलाश की जा रही है। उल्लेखनीय है कि लोहारमंडी मस्जिद के पुराने सदर से उनके कार्यकाल का हिसाब मांगने पर मस्जिद कमेटी के दो गुटों के बीच विवाद हो गया था। दोनों सदर के समर्थक आपस में भिड़ गए थे।

उन्होंने पत्थर, लाठी, राड आदि चलाए थे। इसमें 13 लोग घायल हुए थे। सूचना मिलने पर गणपति थाना पुलिस ने मौके पर पहुंच कर विवाद शांत कराया था। इस दौरान थाने में भी काफी देर तक भीड़ जमा रही। पुलिस की तत्परता से क्षेत्र का माहौल बिगड़ते बचा था।

जयपुर में विस्फोट के षड्यंत्र के आरोपित फिरोज को सुरक्षा कारणों से भोपाल जेल भेजा

रतलाम। जयपुर में विस्फोट का षड्यंत्र करने के मामले में आरोपित फिरोज खान उर्फ सब्जी को 15 घंटे बाद स्थानीय सर्किल जेल से भोपाल सेंट्रल जेल ट्रांसफर किया गया है। उसकी सुरक्षा में जेल और बाहर भी सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए थे।

इधर, एनआइए ने शुक्रवार को भी उसे ले जाने के लिए प्रोडक्शन वारंट के लिए

न्यायालय में आवेदन पेश नहीं किया। एनआईए पूछताछ के लिए उसे कभी भी जयपुर ले जा सकती है। इधर, गिरफ्तारी के बाद पुलिस को फिरोज के पास से मोबाइल फोन नहीं मिला। पूछताछ में उसने बताया कि मोबाइल फोन उपयोग नहीं करता है। पुलिस ने उसके कमरे से कुछ सामग्री जब्त की है।

हिरासत और जेल में वह ज्यादातर चुप ही रहा। उसे एक अलग बैरक में रखा गया था। बाद में जेल मुख्यालय भोपाल के आदेश पर उसे शुक्रवार सुबह करीब सवा सात बजे स्थानीय जेल से वाहन से कड़ी सुरक्षा के साथ भोपाल ले जाया गया।

राजस्थान की निम्बाहेड़ा पुलिस ने 30 मार्च 2022 को जयपुर की तरफ जीप से जा रहे फिरोज के छोटे भाई जुबेर निवासी आनंद कालोनी, अल्तमस खान और सरफुद्दीन उर्फ सैफुल्ला दोनों निवासी शेरानीपुरा को गिरफ्तार किया था। उनके पास से 12 किलो विस्फोटक सामग्री, टाइमर, सेल, वायर आदि जब्त किए थे। बाद में तीनों को एनआइए जयपुर को सौंप दिया गया था।

इंदौर के नंदानगर सिविल अस्पताल का निर्माण अंतिम दौर में

इंदौर। इंदौर के नंदानगर स्थित सिविल अस्पताल का निर्माण कार्य अंतिम दौर में हैं। मई के अंतिम सप्ताह तक सभी कार्य पूर्ण कर जून माह में इसका शुभारंभ किया जायेगा। इस अस्पताल का निर्माण दस करोड़ रूपये की लागत से किया जा रहा है। यह अस्पताल पाँच मंजिला होकर 50 बिस्तरों का रहेगा। अस्पताल में ऑपरेशन, डिलेवरी आदि के लिये अत्याधुनिक साधन और सुविधाएं रहेंगी। यह जानकारी आज यहां उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल और नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय द्वारा किये गये अस्पताल निर्माण के निरीक्षण के दौरान दी गई। इस अवसर पर विधायक श्री रमेश मेंदोला, श्री सुमित मिश्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद थे। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने अस्पताल निर्माण कार्य की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिये कि सभी साधन और सुविधाओं सहित अस्पताल का निर्माण कार्य मई माह के अंत तक हर हाल में पूर्ण कर लिया जाये। जून माह में इस अस्पताल का शुभारंभ किया जायेगा। उन्होंने कहा कि इस अस्पताल के निर्माण में किसी भी तरह की कोर कसर नहीं रखी जायेगी। गुणवत्ता का विशेष ध्यान दिया जाये। अस्पताल बेहतर से बेहतर बने यह प्रयास हो। उन्होंने कहा कि यह अस्पताल पूर्व में प्रसूति अस्पताल के रूप में मिल क्षेत्र में प्रतिष्ठित था। इसी प्रतिष्ठा के अनुरूप अस्पताल का निर्माण किया जा रहा है। इस अस्पताल का नामकरण मंत्री श्री विजयवर्गीय जी की माताजी के नाम पर किया जायेगा।

जिले में धर्मगुरु भी बता रहें हैं जल की महत्ता

इंदौर। इंदौर जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। इसी के तहत जल संरक्षण की महत्ता जन-जन तक पहुँचाने के लिए नियमित कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। इस अभियान से धर्मगुरु भी जुड़ रहे हैं। धर्मगुरु जल की महत्ता जन-जन तक विभिन्न माध्यमों से पहुँचा रहे हैं। धर्मगुरुओं की प्रेरणा से नागरिक श्रमदान कर बावड़ी, कुँओं और तालाबों को संवार रहे हैं।

इसी सिलसिले में जिले के ग्राम बरलाई जागीर में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें चारभुजा नाथ मंदिर सांवेर के गुरु श्री आनंदाचार्य भी विशेष रूप से शामिल हुए।

इस अवसर पर उन्होंने अपने आश्रम के बटुकों के साथ पूजन-अर्चन किया। मंत्रोच्चार के साथ जल का पूजन भी किया गया। उन्होंने उपस्थित जनों को जल की महत्ता बतायी। उन्होंने कहा कि जल की एक-एक बूँद जीवन के लिए महत्वपूर्ण है। हमारी धार्मिक मान्यताओं में भी जल का विशेष स्थान है। सभी मिलकर जल को सहजे। पानी की एक-एक बूँद बेकार नहीं जाने दें। उनके आव्हान पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने बरलाई जागीर की बावड़ी के लिये श्रमदान किया।

इंदौर संभाग में समर्थन मूल्य पर गेहूँ खरीदी का कार्य तेजी से जारी

इंदौर। इंदौर संभाग में समर्थन मूल्य पर गेहूँ खरीदी का कार्य तेजी से जारी है। संभाग में अब तक एक लाख 58 हजार 237 मीट्रिक टन गेहूँ समर्थन मूल्य पर खरीदा जा चुका है। किसानों को उपार्जित गेहूँ का भुगतान भी लगातार किया जा रहा है। गेहूँ का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2425 रूपये है और राज्य सरकार द्वारा 175 रूपये प्रति क्विंटल बोनस दिया जा रहा है। इस तरह से गेहूँ की खरीदी 2600 रूपये प्रति क्विंटल की दर से की जा रही है। बताया गया कि इंदौर संभाग में मुख्य रूप से इंदौर जिले में 88 हजार 815, धार जिले में 40 हजार 497, झाबुआ जिले में 7 हजार 226, अलीराजपुर जिले में 49, खरगौन जिले में 741 तथा खण्डवा जिले में 20 हजार 909 मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन किया गया है। न्यूनतम समर्थन मूल्य पर इसे मिलाकर प्रदेश में अब तक कुल 10 लाख 25 हजार 735 मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन किया जा चुका है। जिला उज्जैन में एक लाख 93 हजार 362, सीहोर में एक लाख 61 हजार 737, देवास में 90 हजार 740, शाजापुर में 92 हजार 613, भोपाल में 74 हजार 75, राजगढ़ में 66 हजार 47, मंदसौर 42 हजार 909, आगर मालवा में 40 हजार 550, विदिशा में 54 हजार 474, हरदा में 24 हजार 45, रतलाम में 19 हजार 743, नीमच में 6362, नर्मदापुरम में 8140, रायसेन में 14183, बैतूल में 2431, दमोह में 3557, गुना में 1057, सागर में 1053, नरसिंहपुर में 221, छिंदवाड़ा में 185, दतिया में 43 और मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन किया जा चुका है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वीरांगना झलकारी बाई के बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित की

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वीरांगना झलकारी बाई के बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अद्वितीय शौर्य, अदम्य साहस और अद्भुत पराक्रम का परिचय देते हुए मातृभूमि के स्वाभिमान की रक्षा के लिए किया गया उनका त्याग व समर्पण चिरकाल तक वन्दनीय और स्मरणीय रहेगा। वीरांगना झलकारी बाई, रानी लक्ष्मीबाई की नियमित सेना में महिला शाखा की सेनापति थी। रानी लक्ष्मीबाई की हमशक्ल होने के कारण, शत्रु को गुमराह करने के लिए वे रानी के वेश में भी युद्ध करती थीं। वे रानी के वेश में युद्ध करते हुए 4 अप्रैल 1857 को वीर गति को प्राप्त हुईं।

मुख्यमंत्री द्वारा ग्रीष्मकालीन पेयजल समस्या से निपटने हेतु दिए गए निर्देशों के अनुक्रम में जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट ने पेयजल व्यवस्था की समीक्षा की

इंदौर। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने निर्देश दिये है कि ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए पेयजल व्यवस्था हर हाल में सुचारू बनायी रखी जाये। ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित की जाये जिससे की किसी भी नागरिक को पेयजल की समस्या नहीं रहे और ईधर-उधर भटकना नहीं पड़े।

मंत्री श्री सिलावट ने आज रेसीडेंसी में संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक लेकर सांवेर विधानसभा क्षेत्र में पेयजल व्यवस्था की समीक्षा की। बैठक में नगर निगम के अपर आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा, एमआईसी मेम्बर श्री अभिषेक शर्मा, पीएचई विभाग के मुख्य अभियंता श्री वी. एस. सोलंकी, पीएचई के कार्यकारी अभियंता श्री सुनील उदिया, कार्यपालन यंत्री श्री संजीव श्रीवास्तव, एक्जीक्यूटिव इंजीनियर एनवीडीए श्री आशीष शिवहरे, एक्जीक्यूटिव इंजीनियर श्री कमल कुवाल, सीईओ सांवेर, सीईओ इंदौर, पार्षद श्री सुरेश कुरवाड़े उपस्थित रहें। मंत्री श्री सिलावट ने सांवेर विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण और नगरीय क्षेत्र की पेयजल व्यवस्था के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि पेयजल व्यवस्था की सतत निगरानी रखी जायें। पेयजल संबंधी आम नागरिकों की शिकायतों का त्वरित निराकरण किया जाये। नर्मदा जल प्रदाय योजना और प्रधानमंत्री नल जल योजना का प्रभावी क्रियान्वयन हो। जहाँ यह योजनाएँ नहीं है, वहाँ जल प्रदाय पर विशेष ध्यान दिया जाये। जरूरत होने पर टैंकरो के माध्यम से पर्याप्त पेयजल उपलब्ध करायें। जरूरत होने पर नये बोरिंग भी कराये जाये। टंकियों की व्यवस्था की जाये। गौशालाओं सहित अन्य स्थानों पर पशुओं के पेयजल के लिये भी विशेष प्रबंध किये जायें। उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्र सांवेर के जोन क्रमांक 17 के वार्ड क्रमांक 18 एवं 19 के अंतर्गत आने वाले नर्मदा जल प्रदाय विहिन क्षेत्र भंवरासला, रेवती, बरदरी एवं कुमेड़ी में पेयजल की समस्या के निराकरण हेतु 20 हजार लीटर क्षमता की टंकी में स्टेण्ड की व्यवस्था की जाये। प्रत्येक गाँव में प्रतिदिन टैंकरों के माध्यम से पेयजल प्रदाय करें।

जोन क्रमांक 22 के वार्ड क्रमांक 35 के अंतर्गत आने वाले नर्मदा विहीन क्षेत्र कैलोद हाला, फोनिक्स टॉउनशिप, लसुड़िया मोरी, बजरंग नगर कांकड़, टूटी बिल्डिंग, मोटी बाई वाला कांकड़, शक्करखेड़ी, भानगढ़, बजरंग नगर तोड़ा, स्वामी विवेकानंद नगर, सिंगापुर कॉलोनी, पंचवटी एवं कैलाश कुटी में पेयजल संकट को दृष्टीगत रखते हुए 10 नलकूप खनन करें एवं टैंकर से पेयजल प्रदाय करें। शासकीय प्राथमिक विद्यालय बजरंग नगर-47 में पेयजल हेतु बोरिंग की व्यवस्था की जाये तथा वार्ड क्रमांक 36 में पेयजल की आपूर्ति हेतु 4 अतिरिक्त टैंकर की व्यवस्था की जाये। जोन क्रमांक 19 के वार्ड क्रमांक 76 के अंतर्गत आने वाले कनाड़िया के करूणा सागर कॉलोनी में पेयजल समस्या के निराकरण हेतु प्रतिदिन पेयजल टैंकर का सुचारू रूप से संचालन किया जाये।

ग्रामीण क्षेत्र में भी हो पर्याप्त पेयजल व्यवस्था जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट द्वारा बैठक में कहा गया कि सांवेर विधानसभा के ग्रामीण क्षेत्रों के सम्पूर्ण मजरे-टोले, स्कूलों, आंगनवाड़ी, पंचायत भवनों, सामुदायिक भवनों, स्वास्थ्य केंद्रों पर जल की नियमित आपूर्ति और अनुसूचित जाति-जनजाति बहुल क्षेत्रों में पेयजल की समुचित व्यवस्था की जाये, साथ ही नवीन हैंडपंप के प्लेटफार्म एवं पुराने की मरम्मत की जाए। मंत्री जी ने कहा कि जिन क्षेत्रों में बोरिंग बंद हैं, उन्हें जल्द सुधारे एवं जिस बोरिंग की मोटर खराब है, उन्हें दूरस्त किए जाए। गौशालाओं में पशुओं के लिए पानी की व्यवस्था की जाए। मांगलिया गाँव में पेयजल व्यवस्था के लिए नई कार्ययोजना बनाकर तुरंत पेयजल मुहैया करायें। नल-जल योजना अन्तर्गत समस्त पेयजल टंकियों से पेयजल उपलब्ध कराने के लिए कार्यवाही करने के निर्देश भी दिये।

मिशन मोड में होगा पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर का कार्य

इंदौर। पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर मध्य प्रदेश के औद्योगिक और आर्थिक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण परियोजना के रूप में उभर रहा है। यह कॉरिडोर इंदौर और पीथमपुर को जोड़ने के साथ-साथ क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को मजबूत करेगा और उद्योग, रोजगार व समग्र आर्थिक प्रगति के लिए एक नया मॉडल स्थापित करेगा। कॉरिडोर की प्रगति को लेकर आज यहां एमपीआईडीसी कार्यालय में कलेक्टर श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक में जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया को तेज करने और जमीन मालिकों से सकारात्मक संवाद स्थापित कर सहमति प्राप्त करने के निर्देश दिए गए।

मिशन मोड में होगा कार्यान्वयन- कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने बैठक में कहा कि यह मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की एक महत्वाकांक्षी परियोजना है, जिसे समय-सीमा में पूरा करने के लिए प्रशासन को मिशन मोड में कार्य करना होगा। एमपीआईडीसी के कार्यकारी संचालक श्री राजेश राठौड़ ने एक प्रेजेंटेशन के माध्यम से परियोजना की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि अब समय आ गया है कि इंदौर बड़े शहरों का अनुसरण करने के बजाय, खुद को नवाचार का केंद्र बनाए। इंदौर-पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर इस दिशा में एक ऐतिहासिक कदम होगा। उन्होंने कहा कि यदि परियोजना को परिकल्पना के अनुरूप विकसित किया गया, तो इंदौर अन्य शहरों से प्रेरणा लेने के बजाय खुद एक मॉडल बनेगा, ठीक वैसे ही जैसे शहर का स्वच्छता मॉडल पूरे देश में अपनाया जा रहा है।

कलेक्टर ने अधिकारियों को दिए निर्देश- कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने बैठक में कहा कि इस तरह की महत्वपूर्ण योजनाएं सरकार और प्रशासन की छवि को मजबूत करती हैं और इनके समय पर क्रियान्वयन से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष आर्थिक लाभ मिलता है। उन्होंने निर्देश दिए कि भूमि अधिग्रहण में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अधिकारियों को जमीन मालिकों से व्यक्तिगत रूप से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं का समाधान करना होगा। राजस्व संबंधी लंबित कार्यों का तुरंत निराकरण किया जाए। यदि आवश्यक हो तो अधिकारी खुद जमीन मालिकों से मिलें और उनकी सहमति सुनिश्चित करें।

जय श्री महाकाल ...

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पत्रग भूषणं मृगधरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकर !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें।

चांदी के पात्र से लगा माता को मदिरा का भोग

नगरवासियों की सुख समृद्धि के लिए अष्टमी पर हुई नगर पूजा

उज्जैन। नगरवासियों की सुख समृद्धि की कामना को लेकर चैत्र माह की नवरात्रि के अंतिम दिन महाअष्टमी पर श्री पंचायती अखाड़ा निरंजनी द्वारा प्रतिवर्ष अनुसार आयोजित होने वाली नगर पूजा का निर्वहन किया गया।

शनिवार को 24 खंबा स्थित माता महामाया और महालाया माता को चांदी के पात्र में अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष श्रीमहंत रविन्द्र पुरी महाराज, पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा, समाज सेवी नारायण यादव, महामंडलेश्वर स्वामी प्रेमानन्द पुरी महाराज, महामंडलेश्वर माता आनंदमयी माता, महामंडलेश्वर रामकृष्णनन्द गिरी महाराज ने मदिरा का भोग लगाया। चैत्र नवरात्रि में कई वर्षो से श्री पंचायती अखाड़ा निरंजनी द्वारा नगर पूजा का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में शनिवार को प्रातः 8 बजे चौबीस खंबा माता मंदिर से नगर पूजा प्रारंभ हुई। यात्रा के संबंध में बताते हुए श्री पंचायती निरंजनी

अखाड़े के सचिव एवं अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष श्रीमहंत रवींद्र पुरी महाराज ने बताया कि प्राचीन समय से नगर पूजा होती आ रही है। उज्जैन वासियों की सुख समृद्धि के लिये 28 किलोमीटर मार्ग में मदिरा की धारा एक हांडी में लेकर कोटवार चलते है और रास्ते में आने वाले प्रमुख देवी मंदिर और भैरव मंदिरों में नए ध्वज और चोला चढ़ाया जाता है। वही कुछ देवी मंदिरों में मदिरा चढ़ाने की परंपरा है, वहां माता रानी को पूजन सामग्री के साथ मदिरा का भोग लगाया गया। नगर पूजा का रात 8 बजे अंकपात मार्ग स्थित हांडी फोड़ भैरव पर यात्रा का समापन हुआ। यात्रा में बैंड बाजों के साथ भक्तगण माता के जयकारे लगाते चले। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के प्रवक्ता डॉ. गोविंद सोलंकी ने बताया कि यात्रा के पश्चात 6 अप्रेल को बड़नगर रोड स्थित श्री पंचायती अखाड़ा निरंजनी में भव्य कन्या पूजन के साथ भक्तों का भंडारा आयोजित होगा। नगर पूजा में निरंजनी अखाड़े के वरिष्ठ महामंडलेश्वर चारधाम मंदिर पीठाधीश्वर स्वामी शांति स्वरूपानंद गिरी जी महाराज, महामंडलेश्वर स्वामी प्रेमानंद पुरी जी महाराज, महामंडलेश्वर स्वामी सुमनआनंद गिरि जी महाराज, महामंडलेश्वर स्वामी भागवत आनंद गिरि जी महाराज, महामंडलेश्वर स्वामी रामकृष्णनन्द महाराज, देव गिरी महाराज जूना अखाड़ा, सुरेशानन्द पूरी महाराज सहित सभी अखाड़ों के संत महंतों के साथ जनप्रतिनिधि और अधिकारी गण शामिल हुएं। नगर पूजा के लिए श्रीपंचायती निरंजनी अखाड़े से जुड़े कई महामंडलेश्वर और अखाड़े के पदाधिकारी हरिद्वार सहित अन्य स्थानों से उज्जैन आये। अखाड़ा परिषद के समन्वयक डॉ राहुल कटारिया, संजय दिवटे, भगवान सिंह, रणजीतजी आदि।

27 लाख मंत्रों के साथ बगलामुखी का 27वाँ पुरश्चरण पूर्ण

पूर्णाहुति में माता से उज्जैन और देश हित, आर्थिक, सामाजिक सुख समृद्धि के लिए प्रार्थना

उज्जैन। 27 लाख मंत्र से देवी को सिद्ध करते हुए बगलामुखी का 27वाँ पुरश्चरण पूर्ण हुआ। उज्जैन और देश हित, आर्थिक, सामाजिक सुख समृद्धि के लिए ज्योतिषाचार्य बगलामुखी साधक अर्चना सरमंडल द्वारा बगलामुखी अनुष्ठान किया गया। सप्तमी तिथि सर्वार्थ सिद्धि योग के साथ में यह बड़ा अनुष्ठान संपन्न किया गया। साथ ही

बगलामुखी साधक अर्चना सरमंडल ने बताया कि ऋषिनगर स्थित बगलामुखी ज्योतिष संस्थान में हर नवरात्रि की तरह इस बार भी एकांतवास में रहकर सवा लाख जाप पूर्ण किया। हर नवरात्रि में सवा लाख मंत्र सिद्ध किया जाता है। तब जाकर अब 27 लाख मंत्र पूर्ण हुए हैं। महासप्तमी तिथि शुक्रवार रात्रि को पूर्णाहुति की गई। इसी दिन रात्रि में पंच कुंडीय अनुष्ठान पूर्णाहुति की गई। देवी बगलामुखी अष्टम महाविद्या है। उनकी जो साधना करते हैं करवाते हैं। उनको सर्वत्र विजय, मंदबुद्धि बच्चों के लिए, गुप्त शत्रु बाधा, तंत्र-मंत्र निवारण, मान पद प्रतिष्ठा रोग निवारण के लिए देवी बगलामुखी का अनुष्ठान किया जाता है। बगलामुखी माता से पूर्णाहुति के साथ विनती की कि उज्जैन और देश में सुख समृद्धि बनी रहे। अष्टम महाविद्या हैं। मारण, मोहन, वशीकरण, उच्चाटन आदि शक्तियों से सुसज्जित हैं। स्वर्ण आसन विराजित देवी अपने भक्तों को कभी भी पराजित नहीं होने देती, शत्रुओ पर या किसी भी क्षेत्र में विजय प्राप्ति के लिए इनकी सिद्धि की जाती है। हर नवरात्रि मे सिद्धि करती हूं। सिद्धि प्राप्त करने के पश्चात ही इस सिद्धि का प्रयोग जनता के हित में किया जाता हैं।

आज रामघाट पर श्री राम स्तुति कार्यक्रम, होगी भजन संध्या महाआरती

उज्जैन। राम जन्म की पूरे देश में धूम है हर गली हर नगर हर चौराहे पर जहां रामभक्ति मय का वातावरण देखने को मिलेगा । राम लला के जन्म उत्सव पर आज शाम को रामघाट स्थित रामेश्वर मंदिर क्षेत्र में दीपक जलाकर भी राम नवमी मनाई जाएगी । स्वर्णिम भारत मंच के तत्वावधान में शाम 6ः00 बजे से श्री राम स्तुति कार्यक्रम में संगीतमय भजन संध्या महाआरती महाप्रसादी का आयोजन होगा । भगवान श्री राम की मृत्यु महाप्रसादी का वितरण होगा। स्वर्णिम भारत मंच के अध्यक्ष दिनेश श्रीवास्तव ने जानकारी बताया कि देशभर में आज बड़ा हर्ष है हमारे आराध्य भगवान श्री राम का जन्म हुआ है । अयोध्या नगरी से लेकर सम्पूर्ण देश में राम लला के जन्म की धूम है ।

4 मई को भगवान श्री चित्रगुप्त जनदर्शन यात्रा निकलेगी तैयारी को लेकर एक बैठक आज

उज्जैन। समस्त जीवों के कर्मो का लेखा-जोखा रखने वाले भगवान श्री चित्रगुप्त जी का प्राकट्य दिवस वैशाख शुक्ल गंगा सप्तमी तिथि 4 मई को मनाया जाएगा । इस दिन हर वर्ष की तरह जनता को दर्शन देने के लिए ठाठ बाट से रथ में सवार होकर भगवान चित्रगुप्त नगर भ्रमण पर निकलेंगे । जनदर्शन यात्रा के समापन पर कायस्थ समाज की कुटुंब रसोई का आयोजन भी किया जाएगा ।

उज्जैन कायस्थ समाज अध्यक्ष दिनेश श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि जो प्राणी जैसा कर्म करता है उसे वैसा फल मिलता है । जिसका हिसाब किताब यमराज के समक्ष चित्रगुप्त रखते उसी आधार पर प्राणी को धर्मराज नर्क या स्वर्ग में भेजते है । ऐसे कर्मो के लेखक माने जाने आराध्य भगवान श्री चित्रगुप्त जी के प्राकट्य दिवस वैशाख शुक्ल पक्ष गंगा सप्तमी के अवसर पर रविवार दिनांक 4 मई 2025 को भगवान श्री चित्रगुप्त जनदर्शन यात्रा एवं कुटुंब रसोई का आयोजन किया जाएगा । आयोजन की तैयारी को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक रविवार 6 अप्रैल को शाम 4 बजे दशहरा मैदान स्थित एक निजी शैक्षणिक संस्थान पर रखी गई है।

4 मई को भगवान श्री चित्रगुप्त जी दर्शन देने पर रथ में सवार होकर नगर में निकलेंगे । जनदर्शन यात्रा हेतु एकत्रीकरण शाम 5 बजे भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री लालबहादुर शास्त्री उद्यान ग्रांड होटल से होगा । यात्रा की सहसंयोजक अनुपमा श्रीवास्तव ने कहा कि हर वर्ष जनदर्शन यात्रा का आयोजन किया का रहा है उसी तरह इस वर्ष भी भगवान रथ से दर्शन देंगे । महिलाएं केसरिया साड़ी में ध्वज लेकर निकलेंगी। यात्रा का समापन के बाद चित्रगुप्त घाट छोटे पुल दानी गेट पर भगवान एवं मोक्ष प्रदान करने वाली मां क्षिप्रा की आरती कर कुटुंब रसोई में सभी भक्त भोजन प्रसाद पाएंगे।

उज्जैनवासी के श्राप एवं माता-पिता की सेवा के कारण हुआ था, श्री राम जी का अवतार

उज्जैन। युगो-युगो से अवंतिका, उज्जैन नगरी का गौरवशाली इतिहास रहा है। इसका गौरव ओर बढ जाता है जब प्रभु श्रीराम जी के जन्म का कारण इस नगर के साथ जुड़ जाता है।

पं. दिनेश शास्त्री ने कहा कि श्री श्रवण कुमारजी के पिता का नाम शान्तनुदेव था, यह उज्जैन के रहने वाले थे। आप ज्ञानी, ध्यानी एवं तपस्वी थे। यह जब सनातन के प्रचार हेतु भारत भ्रमण पर गये तब उनकी भैट अवध में, अवधपति महाराज दशरथ जी से होती है। दशरथ जी इनके ज्ञान से इतने प्रभावित हुए की अपनी छोटी बहन ज्ञानवंती जी के विवाह का प्रस्ताव शान्तनु देव के समक्ष रखा। ज्ञानवंती भी बहुत ज्ञानी एवं विदुषी महिला थी। शांतनुदेव ज्ञानवंती जी के ज्ञान के बारे में जानते थे, आप इस विवाह को महाकाल राजा का आदेश मानकर स्वीकार कर लेते है। दशरथ जी ने अपनी बहन का धुम - धाम से विवाह किया और बहुत धन कन्यादान में दिया। विवाह के बाद दशरथ जी ने शांतनुदेव से अयोध्या में रहकर ही धर्म प्रचार का निवेदन किया जिसे शांतनुदेव ने स्वीकार कर लिया। इन्ही शान्तनु देव और ज्ञानवंती जी के यहाँ समय

व्यतित हो जाने पर श्री श्रवण कुमार एवं शान्ता का जन्म होता है।

श्रवणकुमार जी तीर्थ यात्रा करते समय अनजाने में दशरथ जी के शब्दभैदी बाण द्वारा मारे जाते है। शांतनुदेव दशरथ जी को पुत्र वियोग में मरने का श्राप देकर दोनो पति - पत्नी प्राण त्याग देते है। महाराज दशरथ, बहन, भांजे एवं बहनोई की मृत्यु का कारण स्वयं को मानते है एवं उनके जीवन दान के लिए वशिष्ठ जी के साथ विष्णुलोक जाकर श्री हरि से तीनों के लिए जीवन दान मांगते है। श्री हरि दशरथ जी से कहते है आपके भांजे को तो हमने अमर कर दिया है, अब श्रवण नक्षत्र के नाम से जाने जाएंगे ओर युगो-युगो तक अमर रहेंगे एवं आपके बहन - बहनोई विष्णुलोक की शोभा बढायेंगे। हम आपके भांजे श्रवणकुमार की माता पिता की सेवा से इतने प्रसन्न है की शीघ्र पृथ्वी पर मनुष्य बन कर अवतरित होकर माता पिता की सेवा करेंगे ओर आपके ही पुत्र बनेगे। आप उनके भौतिक शरीरों का दाह संस्कार करें।

श्री हरि श्रवणकुमार जी की माता पिता सेवा से प्रभावित होकर मनुष्य रूप में अवतरित होते है ओर शांतनुदेव के पुत्र वियोग के श्राप के कारण राजमहल का त्याग कर पृथ्वीलोक के अनेक राक्षसो का संहार करते हुए महाप्रतापी रावण को मारकर धरती पर धर्म की स्थापना करते है। इस प्रकार श्रवण कुमार जी का गृह नगर भी उज्जैन अवंतिका ही है। यह बात उज्जैन एवं मध्यप्रदेश वासियो के लिये गौरव की बात है। यह बात पं. शास्त्री ने हैदराबाद में चल रही श्रवणकुमार कथा में कही।

कायस्थ समाज का प्रांतीय परिचय सम्मेलन 18 मई को

उज्जैन। कायस्थ समाज के प्रभुत्वजनों के सानिध्य एवं मार्गदर्शन में संस्था चंचलप्रभा महिला मंडल द्वारा समाज के विवाह योग्य युवक-युवतियों तथा विधवा- विधुर परिचय सम्मेलन का आयोजन 18 मई 2025 को चित्रकूट परिसर, मंगलनाथ रोड उज्जैन पर किया जा रहा है ।

आयोजक संस्था की सुश्री चंचल श्रीवास्तव ने बताया समाज में कई परिवार और अभिभावक ऐसे है जो आज के समय में बच्चों के विवाह तथा सगाई-संबंधों पर होने वाला भारी खर्च उठा पाने में पूरी तरह सक्षम नहीं होते। ऐसे समाज बंधुओं की सुविधा, अनावश्यभक खर्च बचाने तथा समाजजनों के परस्पर आत्मीय संबंधों को मजबूत बनाने के उद्देश्य से समिति ने परिचय सम्मेठलन के आयोजन का निर्णय लिया है। रजिस्टेशन आदि की विस्तृबत जानकारी के लिए मोबाइल नंबर 87700 56143 (चंचल श्रीवास्तव) पर संपर्क किया जा सकता है। संस्था सदस्यों ने समाजजनों से बडी संख्या में सहभागिता करते हुए आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

सेन समाज के सामुहिक विवाह सम्मेलन में 34 जोड़े परिणय सूत्र में बंधेगे

उज्जैन। मध्यप्रदेश गुजराती सेन समाज कल्याण समिति, व युवा संगठन के बैनर तले आज 6 अप्रैल रामनवमी के महापर्व पर प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी सामुहिक विवाह सम्मेलन सामाजिक न्याय परिसर चरक भवन के सामने होगा। जिसमें 34 युगल परिणय सूत्र में बंधने जा रहे है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव रहेंगे। विशेष अतिथि के रूप में मध्यप्रदेश कुश्ती संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष नारायण यादव, सांसद उज्जैन अनिल फ़िरोजिया, विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, निगम सभापति कलावती यादव, प्रदेश केश शिल्पी मंडल अध्यक्ष नन्दकिशोर वर्मा, महाकाल मंदिर समिति सदस्य प्रदीप गुरु।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com